हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 16 नवंबर 2025

तापमान

अधिकतम 28.0 डिग्री
न्यूनतम 9.0 डिग्री

12 मानव के प्रभाव का निर्धारण शरीर, वस्त्र और वाणी...

12 प्रशिक्षण को बढ़ावा, लुवास एवं टीटीआई के बीच...

खबर संक्षेप

सीएम से किसानों को मुआवजे देने की मांग

हिसार। कांग्रेस सैल के पूर्व उपाध्यक्ष सुभाष वर्मा ने कहा कि

बरवाला व हिसार जिले के किसानों के खेतों पानी सूखा नहीं है आर्थिक हालत खराब होने के कारण न ही किसानों के आंसू सूखे है। सरकार ने किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं दिया है और न ही खेतों से पानी निकाला है। सीएम को किसानों की मुआवजे की किस्त देनी चाहिए थी क्योंकि किसानो की हालत दयनीय है। उन्होंने सीएम से मांग करते हुए कहा कि जिन गांवा में आज भी जलभराव है, वहां से पानी निकासी के इंतजाम किए जाने

स्टाफ नर्स से छीना झपटी मामले में आरोपी काबू

हिसार। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने महिला स्टाफ नर्स से एक निजी अस्पताल के पास से छीना झपटी मामले में आरोपी न्यू बसंत विहार कॉलोनी निवासी अरुण को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 14 सितंबर को जिंदल अस्पताल में कार्यरत स्टाफ नर्स रीना रानी द्वारा अर्बन एस्टेट में शिकायत दर्ज करवाई गई थी कि वह 14 सितंबर की शाम करीब 4 बजे जब वह जिंदल चौक की तरफ से दूध लेकर हॉस्टल की ओर जा रही थी, तभी एक निजली अस्पताल के पास दो युवक मोटरसाइकिल पर आए और उसके साथ छीना–झपटी कर उसका मोबाइल फोन तथा पर्स छीनकर फरार हो गए।

युवक से पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद

हिसार। स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने गश्त के एक युवक को नाजायज हथियार सहित काबू किया है।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर जिंदल पार्क मिल गेट से एक व्यक्ति को काबू किया। पूछताछ में उसने अपना नाम शिव नगर मिलगेट निवासी मोहित बताया। तलाशी के मोहित द्वारा पहनी गई जींस की जेब से 32 बोर का अवैध पिस्तोल व मैगजीन से दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके एचटीएम थाना में शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया।

पीएम किसान योजना का लिंक भेज कर ठगी

नारनौंद। शातिर ठग पिछले काफी समय अलग-अलग तरीके निजाद करके लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। अब किसानों को ठगने के लिए उनके मोबाइल नंबरों पर पीएम किसान निधि योजना का लिंक भेज कर उनके खातों से रुपए उड़ाने का काम कर रहे हैं। नारनौंद के एक किसान से लाखों रुपये की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच आरंभ कर दी है।

नारनौंद निवासी किसान राधेश्याम ने बताया कि उसके मोबाइल को हैक करके उसके दो बैंक खातों से दो लाख 80 हजार रुपए निकाल लिए। उसके पास 17 अक्टूबर को फेसबुक अकाउंट पर पीएम किसान निधि योजना ऐप की एक फाइल आई थी।

जामिया यूनिवर्सिटी ने जीता 21वां वीसी कप

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) में चल रही 21वीं ऑल इंडिया वाइस-चांसलर्स टी-20 क्रिकेट कप प्रतियोगिता का शनिवार को फाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली की टीम ने यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू की टीम ने जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। जम्मू की टीम प्रतियोगिता में रनर अप रही। तीसरे स्थान के लिए मेजबाज लुवास तथा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीच खेला गया, जिसमें लुवास की टीम ने जीत दर्ज कर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया।

दादा बाढ़देव जी ने समाज को सत्य, अनुशासन व भाईचारे को जीवन का मूल मंत्र बनाने की दी प्रेरणा

पूनिया खाप ने हमेशा देश, समाज और जनहित को सर्वोपरि स्थान दिया : सीएम नायब सैनी

खरक पूनिया में दादा बाढ़देव जी जन्मोत्सव एवं मुख्यमंत्री सम्मान समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि दादा बाढ़देव जी का जीवन हमें यह संदेश देता है कि जब समाज संगठित और अनुशासित होता है तो हर समस्या का समाधान आसान हो जाता है। उन्होंने समाज को सदैव सत्य, अनुशासन और भाईचारे को जीवन का मूल मंत्र बनाने की प्रेरणा दी। दादा बाढ़देव जी ने यह भी विश्वास दिलाया कि समाज की भलाई के लिए खड़ी खाप कभी कमजोर नहीं पड़ती। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूनिया खाप ने सदैव देश, समाज और जनहित को सर्वोपरि स्थान दिया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को जलि के गांव खरक पूनिया में अखिल हरियाणा सर्वजातीय पूनिया समाज की ओर से दादा बाढ़देव जी पूनिया के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि खरक पूनिया गांव के वर्तमान स्कूल को मॉडल संस्कृति स्कूल के रूप में अपग्रेड किया जाएगा ताकि गांव के ही स्कूल में बच्चों को उच्च कोटि की शिक्षा उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने खरक पूनिया में एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण करवाने के साथ-साथ यहां पर एक पुस्तकालय खोलने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दादा बाढ़देव जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने पूनिया खाप से आग्रह किया कि वह युवा पीढ़ी को सही दिशा में प्रेरित करें, जिससे युवा नशे से दूर रहें और आने वाली पीढ़ियां सशक्त एवं सक्षम बन सकें। मुख्यमंत्री ने यह भी अपील की कि सभी लोग युवाओं को शिक्षा, खेल और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें।

बरवाला। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का गांव खरक पुनिया में आयोजित कार्यक्रम में समारोह के दौरान स्वागत करते हुए। साथ में हैं शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, विधायक रणधीर पनिहार व अन्य।

बरवाला। समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते सीएम नायब सिंह सैनी, साथ में हैं शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व मंत्री अनूप धानक व अन्य गणमान्य। फोटो : हरिभूमि

पूनिया समाज ने अनेक वीर योद्धा दिए : ढांडा

अपने संबोधन में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि दादा बाढ़ देव पूनिया के जन्मोत्सव पर आयोजित सम्मान समारोह में आकर खुशी एवं आनंद की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि पुनिया समाज ने अनेक वीर योद्धा दिए हैं, जिनकी कहानियां आज भी सुनाई जाती हैं। हरियाणा प्रदेश की जड़ों को मजबूत करने में पूनिया खाप का अच्छा खासा योगदान रहा है। इस समाज के लोगों ने देश के लिए अनेक कुर्बानियां दी हैं।

पूनिया समाज ने पेश की भाईचारे की मिसाल

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पूनिया समाज के लोगों ने इस भव्य समारोह का आयोजन कर भाईचारे की मजबूत मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि कर्म के आधार पर जातियां जरूर बनी हैं, लेकिन वास्तव में हम सब एक ही हैं।

हरियाणा पराक्रमियों की भूमि : सतीश पूनिया

भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति हैं। उन्होंने दादा बाढ़ देव तथा हरियाणा की पवित्र भूमि को नमन करते हुए कहा कि यह पराक्रमियों की धरती है। भारत कभी ओलंपिक के मैडलों के लिए तरसता था लेकिन आज हरियाणा के खिलाड़ियों ने भारत की झोली मैडलों से भर दी है।

पूनिया ने किया आए अतिथियों का स्वागत

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम के आयोजक सुरेंद्र पूनिया ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा अन्य सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश को जनता की सेवा करने वाला मुख्यमंत्री मिला है। उनके नेतृत्व में प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। हर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए कार्य हो रहे हैं। उन्होंने गांव खरक पूनिया में सामुदायिक केंद्र भवन तथा आधुनिक पुस्तकालय की मांग रखी, जिस पर मुख्यमंत्री ने इन सभी मांगों को पूरा करवाने की घोषणा की।

सीएम के जीवन चरित्र पर पुस्तक का विमोचन

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जीवन चरित्र पर प्रोफेसर सुरेश कुमार द्वारा लिखित पुस्तक द बोल्ड वॉयसेस तथा महिपाल आर्य द्वारा लिखित पुस्तक आर्यावृत के महानायक का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, हांसी विधायक विनोद भयाणा, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, पूर्व मंत्री अनूप धानक, पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, हिसार भाजपा जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, हांसी जिलाध्यक्ष अशोक सैनी, जिला परिषद के चेयरमैन सोनू सिहाग डाटा, मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू, धर्मपाल मकड़ौली, फणीन्द्र, महामंडलेश्वर देवी शक्ति पुरी, बिजेंद्र दास, सरपंच कृष्णा पूनिया, संजीव रेवड़ी, ओमप्रकाश पूनिया व संदीप आजाद सहित अनेक गणमान्य नागरिक तथा भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाल दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

हांसी। पीसीएसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व एलडीएसडी पब्लिक स्कूल के खेल परिसर में शुक्रवार को बाल दिवस के उपलक्ष में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ पर नगर परिषद चेयरमैन प्रवीण ऐलावादी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। विद्यालय प्राचार्या उर्मिला शर्मा ने अपने सम्बोधन में खेलो के महत्व के बारे में बतलाया। इस अवसर पर दोनों विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित तमाम अतिथिगण का मन मोह लिया । इस अवसर पर खिलाड़ियों ने रस्साकस्सी, बाधा दौड़, तीन पैर दौड़ सहित अन्य खेल प्रतियोगिताओं अपने शौर्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं कार्यक्रम के समापन समारोह में मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन राजपाल यादव ने मुख्यातिथि में शिरकत की। कार्यक्रम के समापन पर खेलो में विजेता छात्रों को पदक प्रदान

इंटर-कॉलेज शतरंज प्रतियोगिता में यूटीडी रहा प्रथम, विजेताओं का सम्मान

- महिला वर्ग में दयानंद कॉलेज ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के खेल निदेशालय के सौजन्य से विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप खेल स्टेडियम में हुई इंटर-कॉलेज महिला व पुरूष वर्ग शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पुरुष वर्ग में यूटीडी ने पहला तथा महिला वर्ग में दयानंद महाविद्यालय हिसार ने पहला स्थान प्राप्त किया। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई समापन समारोह में मुख्य अतिथि रहे जबकि अध्यक्षता खेल निदेशालय के अधिष्ठाता प्रो. आशीष अग्रवाल ने की। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस अवसर पर कहा कि शतरंज का खेल बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि प्रत्येक विद्यार्थी को किसी न किसी खेल में अवश्य भाग लेना चाहिए।

छात्राओं ने संसद भवन का शैक्षणिक भ्रमण किया

हांसी। भारतीय लोकतंत्र की जीवंत संस्थाओं और इसके गौरवशाली इतिहास से सीधे जुड़ने का एक अद्वितीय अवसर राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, राजली की छात्राओं को मिला, जब उन्होंने आज संसद भवन, नई दिल्ली का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। यह भ्रमण छात्राओं की नागरिक समझ को समृद्ध करने और उन्हें देश की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से सीधे परिचित कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।इस शैक्षणिक यात्रा में कक्षा 9वीं और 10वीं की लगभग 60 चयनित छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान, छात्राओं ने भारतीय लोकतंत्र के मंदिर, संसद भवन, संविधान सदन, रकाबगंज गुरुद्वारा, इंडिया गेट आदि स्थलों का भ्रमण किया। विद्यालय के प्रभारी वरुण सिंह ने इस ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भ्रमण हमारी छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद सिद्ध हुआ है।

होली चाइल्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रपति भवन में मनाया बाल दिवस

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विद्यार्थियों को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। बाल दिवस पर अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ विद्यार्थी।

होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए यह अत्यंत सम्मान और गर्व का अवसर रहा जब उन्होंने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ बाल दिवस समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने छात्रा सोनम द्वारा तैयार राष्ट्रपति का एक सुंदर स्केच उन्हें भेंट किया गया। राष्ट्रपति मुर्मु ने बच्चों की कलात्मक प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों ने राष्ट्रपति के प्रेरणादायक संदेश को बड़े ध्यान से सुना, जिसमें उन्होंने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए परिश्रम, ईमानदारी और अनुशासन के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। बच्चे उनकी सादगी और शालीनता से बहुत प्रभावित हुए। प्रबंध निदेशक ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों का राष्ट्रपति भवन तक पहुंचना गर्व की बात है।

हेरोइन तस्कर को 10 साल की सजा

हिसार। अदालत ने शनिवार को हैरोइन की तस्करी के दोषी गांव मसूदपुर निवासी मुकेश को 10 साल की कैद और 1 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

अदालत ने उसे शुक्रवार को दोषी करार दिया था। अदालत में चले अभियोग के अनुसार हांसी सिटी थाना पुलिस ने 17 जनवरी 2022 को एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। घटना वाले दिन हांसी सिटी थाना पुलिस गश्त पर थी। एसआई बालकिशन को सूचना मिली कि मसूदपुर का मुकेश अब हांसी की जगदीश कॉलोनी में रहता है। वह नशीले पदार्थ की तस्करी करता है।

भतीजी की शादी के दिन चाचा ने निगला जहर, उपचार के दौरान तोड़ा दम

- गांव उमरा में विवाह की खुशियों का माहौल मातम में बदला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

उपमंडल के गांव उमरा में विवाह की खुशियों का माहौल उस वक्त मातम में बदल गया। जब शादी के दिन 58 वर्षीय चाचा जंगबहादुर ने खेत में बने कमरे में जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिससे उसकी शुक्रवार रात को उपचार के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जंगबहादुर के बड़े भाई की बेटी की शुक्रवार को शादी थी और पूरा परिवार विवाह की तैयारियों में व्यस्त था। कि इसी दौरान जंगबहादुर खेत में बने कमरे की ओर चले गए, जहां उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जहरीले पदार्थ के सेवन के कुछ देर बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल ले गए। लेकिन उपचार के दौरान शुक्रवार रात करीब 9 बजे जंगबहादुर ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शादी में मातम

वहीं जांच अधिकारी एएसआई मुनिश कुमार ने बताया कि परिवार के सदस्यों के अनुसार, जंगबहादुर नशे का आदी था और उन्होंने नशे की हालत में ही गलती से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। मृतक जंगबहादुर के दो बेटे और एक बेटी है, जो सभी अविवाहित हैं और खेती-बाड़ी करके परिवार का भरण पोषण करते थे। वहीं इस आकस्मिक घटना से घर में गहरा शोक छा गया और गमगीन माहौल में विवाह समारोह सम्पन्न करवाया गया।

पिछली सभी परीक्षाओं को रद्द करना छात्रों के साथ अन्याय, प्रशासन फैसला वापस ले : ढांडा

पेपर लीक मामले में सभी परीक्षाएं रद करने के खिलाफ लुवास में प्रदर्शन

संगठन के अध्यक्ष हरिकेश ढांडा के नेतृत्व में वीसी ऑफिस के प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) प्रशासन द्वारा एक पेपर लीक होने के बाद सभी परीक्षाओं को रद्द करने के विरोध में छात्रों ने शनिवार को प्रदर्शन करके नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व क्रांतिकारी स्टूडेंट्स ऑग्रेनाइजेशन ने की। संगठन के अध्यक्ष हरिकेश ढांडा के नेतृत्व में वीसी ऑफिस के बाहर छात्रों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र शामिल हुए, जिनमें कुल 15 कॉलेज आते हैं। इन कॉलेजों के लगभग 1300 छात्रों ने संबंधित परीक्षा दी थी। छात्रों की मुख्य मांग थी कि सिर्फ वही परीक्षा रद्द की जाए जो लीक हुई है, बाकी सभी परीक्षाओं को रद्द करना न्यायसंगत नहीं है और इससे मेहनत कर रहे छात्रों का भविष्य प्रभावित होगा।

प्रदर्शन के बाद हरकत में आया प्रशासन, कुलपति ने दिया आश्वासन

लगभग तीन-चार घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आया और कुलपति ने छात्रों को आश्वासन देते हुए एक जांच समिति गठित का गठन किया। हरिकेश ढांडा ने बताया कि छात्र प्रतिनिधियों और समिति के साथ हुई बातचीत में यह निर्णय हुआ कि आगामी 20 नवंबर तक समिति पूरे मामले की विस्तृत जांच करेगी। जांच पूरी होने तक विश्वविद्यालय कोई भी नई परीक्षा तिथि घोषित नहीं करेगा। छात्रों ने स्पष्ट कहा कि वे न्यायसंगत निर्णय चाहते हैं और जांच पूरी होने तक सतर्क रहेंगे। यदि छात्रों की मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और मजबूत किया जाएगा और यह आंदोलन बड़ा रूप ले लेगा।

फैसला वापस नहीं लिया तो होगा आंदोलन

हरिकेश ढांडा ने बताया कि लाला लाजपतराय वेटर्नरी युनिवर्सिटी से जुड़े विभिन्न जिलों में स्थापित 15 कॉलजों में वीएलडीए की अब तक हुई परीक्षाएं विवि प्रशासन ने रद्द कर दी गई। यूनिवर्सिटी में वर्तमान सत्र के वीएलडीए में प्रथम वर्ष में पढने वाले छात्रों की परीक्षाएं चल रही हैं जिसमें किसी एक पेपर के लीक हो जाने की सूचना विवि प्रशासन को मिली जिस पर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने आनन-फानन में व गुपचुप तरीके से अब तक की हुई सभी परीक्षाओं को रद्द कर दिया जो कि छात्रों के साथ सरासर अन्याय है। उन्होंने कहा कि जिस पेपर के लीक होने की सूचना यूनिवर्सिटी प्रशासन के पास है, केवल उसी को रद्द करें लेकिन अब तक हुई सभी परीक्षाओं को रद्द करके यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्रों के साथ अन्याय किया है जिसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शेयर बाजार Vs एसआईपी बेहतर है कौन

प्लानिंग | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक नए निवेशक हैं और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए। आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं।

पैसों का निवेश जरूरी

पैसों का निवेश करना बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को अपनी बचत को एक अच्छी जगह निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपनी वेल्थ को बढ़ा सकें। पैसों को निवेश करने के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। कुछ लोग सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं, जिसके लिए वह बैंक एफडी और स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश करते हैं। वहीं कुछ लोग ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए रिस्क लेते हैं और शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में अपने पैसों का निवेश करते हैं। अगर आप भी एक नए निवेशक हैं, और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए. आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं।

आइए जानते हैं नए निवेशक कहां से शुरू करें निवेश

बात करें शेयर बाजार में निवेश की तो शेयर बाजार में निवेश काफी रिस्क भरा होता है। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह सीधा शेयर की कीमत पर निर्भर करता है। शेयर की कीमत बढ़ भी सकती है और घट भी सकती है। कीमत घटने पर आपको नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको कंपनी के कारोबार, बैलेंस शीट और सेक्टर ट्रेंड्स की समझ जरूर होनी चाहिए। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए।

नए निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड बेस्ट

अब बात कर लेते हैं म्यूचुअल फंड में निवेश की, तो शेयर बाजार में पहले न निवेश कर आपको सबसे पहले एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए। म्यूचुअल फंड के जरिए भी आपके पैसे शेयर बाजार में ही लगाए जाते हैं लेकिन यह पैसे कब और कैसे और कितना लगाना है, यह फंड मैनेजर तय करते हैं। एसआईपी में आप बस हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करते हैं। लंबे समय तक निवेश कर आप यहां औसतन 12 प्रतिशत की दर से रिटर्न पा सकते हैं। शुरुआत में म्यूचुअल फंड में निवेश कर आप बाजार की चाल को समझ सकते हैं और आपको शेयर बाजार की समझ भी होगी। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले एक बार म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।'

अनजाने और अनचाहे खर्च को रोकना होगा, मिडिल क्लास को नहीं रहेगी टेंशन

सैलरी मिलने के कुछ दिन बाद ही पर्स हो जाता है खाली, ये टिप्स आएंगे काम

उदाहरण से समझें : रिया 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

महीने की शुरुआत में जब फोन पर सैलरी अकाउंट में क्रेडिट होने का मैसेज आता है तो काफी खुशी होती है। लेकिन यह खुशी कुछ दिनों तक ही रहती है। 15-20 दिन गुजरने के बाद आर्थिक तंगी के हालात शुरू हो जाते हैं। ऐसा काफी लोगों के साथ होता है। मिडिल क्लास के साथ तो लगभग हर महीने यही स्थिति रहती है। 15-20 दिन बीतने के बाद चिंता सताने लगती है कि आखिर सैलरी का पैसा कहां खर्च हो गया? एक्सपर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं जिसमें इसका कारण और समाधान भी बताया है गया है। एक्सपर्ट के अनुसार हमसे कुछ अनजाने और अनचाहे खर्च ऐसे हो जाते हैं जिनके कारण धीरे-धीरे सैलरी का पैसा खर्च होना शुरू हो जाता है। हालात कई बार ऐसे आ जाते हैं कि सैलरी मिलने के 20 दिन बाद ही बटुआ खाली हो जाता है। समस्या यह नहीं है कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि यह है कि आप उस पैसे को कैसे मैनेज करते हैं।

कहां गया सारा पैसा?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'आपकी सैलरी अभी-अभी क्रेडिट हुई है। वो खुशी वाला अलर्ट देखकर मुस्कान आ जाती है, है ना? लेकिन 20 दिन बाद आपका यूपीआई बैलेंस आपको सोचने पर मजबूर कर देता है- सारा पैसा कहां गया? यह कहानी कई मिडिल क्लास भारतीयों की है।'

आपकी लाइफ कैसी होगी यह आपके कमाने पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह निर्भर करता है कि आप बचाते कितना है। उन्होंने लिखा है, 'आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि दौलत सिर्फ कमाई से नहीं, बल्कि मैनेजमेंट और लगातार कोशिशों से बनती है।

उदाहरण से समझें गणित

अपनी बात को समझाने के लिए हम एक उदाहरण का सहारा लेते हैं। एक लड़की रिया जो एक कंसल्टेंट हैं और 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है। छोटे-छोटे फैसले चुपके से बड़ी दौलत बन जाते हैं।

आखिर क्यों 'गायब' हो जाती है सैलरी

सैलरी गायब होने के पीछे असली वजह अनकॉन्शियस स्पेंडिंग यानी ऐसे खर्च है जो अनजाने में होता है। कई बार ऐसे छोटे खर्चे होते हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। उनके मुताबिक हमारा दिमाग बड़े खर्चे पहचान लेता है लेकिन छोटे खर्चे जैसे- रोजाना का खर्च, सब्सक्रिप्शन, अचानक कुछ खरीदना आदि खर्च का पता ही नहीं चलता। इस कारण हर महीने 25 से 40 हजार रुपये चुपके से खर्च हो जाते हैं। यही कारण है कि सैलरी आने के बाद महीना खत्म होने से पहले ही बटुआ खाली हो जाता है।

ये हैं काम के टिप्स

ऐसे अनचाहे खर्च को रोकने और पैसे पर कंट्रोल के लिए 4 टिप्स हैं। अपनी सैलरी की तरह हर महीने बचत को ऑटोमेटिक कर लें। इसके लिए किसी मुश्किल अकाउंट की जरूरत नहीं है। **बस 4 आसान पॉकेट बना लें।**

ये इस प्रकार हैं :

1. सैलरी हब : यह आपका मुख्य इनकम अकाउंट है। यानी आपकी सैलरी इसी अकाउंट में आती है।
2. सेफ्टी नेट : इसमें इमरजेंसी फंड और लक्ष्य-आधारित बचत के लिए पैसा रखें। यह रकम 60:40 के रेश्यो में होनी चाहिए।
3. ग्रोथ इंजन : यह अकाउंट सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और ऑटोमेटेड इन्वेस्टमेंट के लिए है।
4. डेली एक्सपेंसेसः यह अकाउंट यूपीआई और बिल पेमेंट के लिए है। यह आपकी सेविंग से अलग होगा।

टाइमिंग का रखें ध्यान

ऊपर बताए चार पॉकेट में पैसा समय पर इन्वेस्ट कर दें। यहां टाइमिंग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों की सैलरी महीने की आखिरी तारीख (30 या 31) या 1 तारीख को आ जाती है। ऐसे में हर महीने की 2 तारीख को ऑटोमेटिक ट्रांसफर सेट करें। महीने के बीच में खर्चों की समीक्षा करें और 25 तारीख तक अगले महीने की तैयारी कर लें।

ये तीन मंत्र काम के

पैसा कमाना एक स्किल है। पैसा बचाना एक आर्ट है और पैसे को कंपाउंड करना (ब्याज पर ब्याज कमाना) साइंस है। इन तीनों में महारत हासिल करें। ऐसे में फाइनेंशियल फ्रीडम अपने आप मिल जाएगी। पैसे का सही प्रयोग ही हमें जल्दी अमीर बना सकता है।

एक लाख 3 साल की एफडी में निवेश करने पर कौन सा बैंक दे रहा है सबसे ज्यादा रिटर्न

नॉलेज | बिजनेस डेस्क

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं। जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है, तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को बैंक एफडी में ही निवेश करना पसंद करते हैं. इसका कारण एफडी में मिलने वाला फिक्स्ड रिटर्न और पैसों की सुरक्षा है. देश के अलग अलग बैंकों द्वारा अपनी अलग अलग अवधि वाली एफडी पर अलग अलग ब्याज दर से रिटर्न ऑफर किया जाता है. आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

प्राइवेट बैंक इंडसइंड बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में सबसे ज्यादा ब्याज दर से रिटर्न ऑफर कर रहा है। इस बैंक की 3 साल की एफडी की ब्याज दरें 6.65 प्रतिशत हैं। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,950 रुपये मिलेंगे।

एक्सिस बैंक की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एक्सिस बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.60 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,800 रुपये मिलेंगे।

एचडीएफसी की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.40 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,200 रुपये मिलेंगे।

एसबीआई की 3 साल की एफडी

सरकारी बैंक एसबीआई अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.30 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,900 रुपये मिलेंगे

केनरा बैंक की 3 वर्षीय एफडी

सरकारी बैंक केनरा बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.25 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,750 रुपये मिलेंगे।

एफडी के अलावा इन 5 सरकारी स्कीम में करें पैसों का सुरक्षित निवेश

बैंक एफडी के अलावा भी सुरक्षित निवेश के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। एफडी के अलावा आप सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को केवल बैंक एफडी में ही निवेश करते हैं क्योंकि बैंक एफडी में पैसा सुरक्षित रहता है यानी पैसों के खो जाने का कोई डर नहीं होता है लेकिन बैंक एफडी के अलावा भी ऐसी कई स्कीम हैं, जहां लोग अपने पैसों को सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं और काफी अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। हम बात कर रहे हैं सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम के बारे में। स्मॉल सेविंग स्कीम में आपको एक निश्चित ब्याज दर से रिटर्न मिलता है, और यह सरकारी स्कीम है. ऐसे में आपको पैसों की पूरी सुरक्षा भी मिलेगी। आइए जानते हैं बैंक एफडी के अलावा आप किस-किस सरकारी स्कीम में पैसों का निवेश कर सकते हैं

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी पोस्ट ऑफिस की सरकारी स्कीम है, जहां आपको 5 साल की अवधि के लिए अपने पैसों का निवेश करना होता है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में आपको 7.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी उम्र 60 साल से अधिक है तो आप सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में 5 सालों के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। यहां आप अधिकतम 30 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस आरडी

अगर आप एक साथ निवेश न कर थोड़ा थोड़ा निवेश करना चाहते हैं तो आप पोस्ट ऑफिस की आरडी में निवेश कर सकते हैं. यहां आपको हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करनी होती है. इस स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का होता है। आरडी में 6.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

किसान विकास पत्र

पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र यानी केवीपी स्कीम में आप अपने पैसों को 115 महीनों के लिए निवेश करके उन्हें डबल बना सकते हैं। किसान विकास पत्र स्कीम में 7.5 प्रतिशत सालाना की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है. ऐसे में आप यहां भी निवेश कर सकते हैं।

स्मार्ट निवेशक ऐसे पहचानते हैं म्यूचुअल फंड बेचने का सही वक्त

सुझाव
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट करने की बात तो हर निवेशक करता है, कौन सा फंडसबसे अच्छा है, कौन सा फंड मैनेजर बेहतर रिटर्न दे रहा है, या कौन सी स्कीम में पैसा लगाना चाहिए। हालांकि जब बात आती है म्यूचुअल फंड बेचने की, तो ज्यादातर लोग या तो गलत समय पर बेच देते हैं या फिर कभी बेचते ही नहीं, जबकि सच यह है कि जितना जरूरी इन्वेस्टमेंट करना है, उतना ही जरूरी है सही समय पर बेचना भी। अगर आप यह नहीं जानते कि म्यूचुअल फंड कब बेचना चाहिए, तो आपका अच्छा फंड भी नुकसान में बदल सकता है। अक्सर ऐसा होता है कि मार्केट में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपने फंड को बेच देते हैं। यह सबसे आम लेकिन सबसे बड़ी गलती होती है। जैसे कि 2008 के वित्तीय संकट के दौरान कई निवेशकों ने डरकर अपने फंड बेच दिए थे, लेकिन उस टाइम पर अगर उन्होंने धैर्य रखा होता, तो अगले पांच सालों में उनकी रकम दोगुनी हो सकती थी, तो इसलिए, मार्केट गिरने पर डरकर फंड बेचना नहीं, बल्कि धैर्य रखना जरूरी होता है।

गलत समय पर म्यूचुअल फंड बेचने से हो सकता है भारी नुकसान

कब नहीं बेचना चाहिए?

कई बार फंड कुछ महीनों के लिए खराब प्रदर्शन करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि फंड खराब है। हर इन्वेस्टमेंट प्रोडक्शन के उतार-चढ़ाव के चक्र होते हैं। अगर आपने किसी उद्देश्य के लिए निवेश किया है, जैसे बच्चे की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट, तो बीच में फंड बेचने की गलती न करें। इसके अलावा, सिर्फ इसलिए फंड न बेचें क्योंकि आपका कोई दोस्त या रिश्तेदार किसी नए फंड में निवेश कर रहा है। वैसे निवेशकों को औसतन करीब 3-4% कम रिटर्न मिल सकता है क्योंकि वे गलत समय पर फंड बेच देते हैं, यानी निवेशक खुद अपने नुकसान के जिम्मेदार बन जाते हैं।

कब बेचना चाहिए फंड?

म्यूचुअल फंड में निवेश जितना जरूरी है, उतना ही अहम है सही समय पर उसे बेचना। फंड को बेचना किसी जल्दबाजी का नहीं बल्कि एक रणनीतिक फैसला होना चाहिए। अगर आपका फाइनेंशियल टारगेट जैसे बच्चे की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट पूरा हो गया है, तो मुनाफा बुक कर लेना समझदारी है। वहीं, अगर कोई फंड लगातार 2-3 साल से खराब प्रदर्शन कर रहा है या अपने बेंचमार्क से पिछड़ रहा है, तो इसे बदलने का समय आ गया है। जिंदगी में फाइनेंशियल बदलाव जैसे नौकरी छूटना या रिटायरमेंट की स्थिति में जोखिम कम करना चाहिए। इसके अलावा, जब मार्केट ऊंचाई पर हो, तब आंशिक मुनाफा निकालकर अपनी पूंजी सुरक्षित करना बेहतर प्लानिंग मानी जाती है।

फंड बेचने से पहले ये रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड बेचने से पहले जल्दबाजी में कोई कदम उठाना नुकसानदायक हो सकता है। सबसे पहले अपने फंड की पूरी समीक्षा करें, क्या फंड मैनेजर, निवेश प्लानिंग या खर्च संरचना में कोई बड़ा बदलाव हुआ है? अगर हां, तो स्थिति को समझकर निर्णय लें। किसी भी कदम से पहले अपने फाइनेंशियल सलाहकार की राय जरूर लें, ताकि नुकसान से बचा जा सके। तो याद रखें, म्यूचुअल फंड एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट है इसलिए बाजार के उतार-चढ़ाव में घबराने की बजाय धैर्य रखें और अपनी वित्तीय योजना से भटकें नहीं। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में जबरदस्त ग्रोथ

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है। यह साबित करता है कि लोग अब पारंपरिक निवेश की बजाय म्यूचुअल फंड्स को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का साधन मान रहे हैं। हालांकि, केवल निवेश करना ही काफी नहीं है। सही समय पर फंड बेचना भी एक समझदार निवेशक की पहचान होती है। बाजार की स्थिति, अपने लक्ष्य और फंड के प्रदर्शन को समझकर निर्णय लेना ही सफल निवेश की कुंजी है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

खबर संक्षेप

पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने आप्रेशन ट्रैकडाउन के तहत कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास व जान से मारने की धमकी देने के एक वांछित आरोपी को डबवाली क्षेत्र से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। देसूजोधा पुलिस चौकी प्रभारी जगपाल सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान अंग्रेज के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मोहन सिंह निवासी देसूजोधा की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। शिकायत में बताया कि उसके भतीजे गुरलाल सिंह, पिता नायब सिंह व भाई मनजीत के साथ डबवाली से देसूजोधा आ रहा था। रास्ते में बिलासपुर ढाणी नहर पुल के पास आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की।

महिला को झांसा देकर चुराए गहने

सिरसा। शहर के मुख्य डाकघर के नजदीक एक महिला से तीन महिलाओं ने झांसा देकर उसकी अंगूठी एवं बालियां चोरी कर ली। पुलिस को दी शिकायत में शांति नगर निवासी महिला बिमला देवी ने बताया बीते दिवस दोपहर को वह डाकखाने के पास दवाई लेने के लिए आई थी। वहां उसे तीन महिलाएं मिली, जिनकी उम्र करीब 25 से 30 साल थी। वे उसे बातों में फंसाकर टाउन पार्क में ले गई। उसके बाद बाते करते-करते वह सालासर मंदिर के सामने होटल के पास चले गए। वहां पर उसकी कानों से बालियां, अंगूठी निकालकर उसके एक रूमाल में बांधकर उसे वापस दे दी।

लाला जगन्नाथ जैन स्कूल में मनाया बाल दिवस

सिरसा। लाला जगन्नाथ जैन पब्लिक स्कूल में बाल दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय प्रबंधन समीति के अध्यक्ष ललित जैन भी इस कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम में छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक नृत्यों, समूह गायन तथा एकल प्रस्तुतियों के माध्यम से सबका मन मोह लिया। कुछ छात्रों ने बाल दिवस के महत्व पर सुंदर भाषण प्रस्तुत किए, जिनमें पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा बच्चों के प्रति प्रेम और भारतीय संस्कृति के मूल्यों का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाने वाले नृत्य और झलकियां थीं। छात्रों ने भारतीय संस्कृति की एकता, विविधता, सम्मान, प्रेम और परंपराओं के बारे में संदेश दिया।

विश्व डायबिटीज दिवस पर लगाया स्वास्थ्य कैंप

सिरसा। आमजन को शुगर के बढ़ते जोखिम से बचाने एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विश्व डायबिटीज दिवस पर संजीवनी अस्पताल में मुफ्त स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया गया, जिसमें शुगर रोग विशेषज्ञ व आंखों की जांच एवं न्यूरोलॉजिस्ट और आहार विशेषज्ञ ने परामर्श दिया। शिविर का उद्देश्य मधुमेह के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाना था इसमें लोगों को बेहतर स्वास्थ्य की सलाह दी गई मरीजों की निःशुल्क जांच व डाइट चार्ट बनाकर दिया गया। शुगर रोग विशेषज्ञों ने सुझाव दिए कि शुगर प्रबंधन के लिए जरूरी है कि समय पर नियमित जांच कराएं, स्वस्थ आहार लें, व्यायाम करे, तनाव कम करें तथा नियमित योग करें।

संगम स्कूल 7 दिवसीय योगा कैंप संपन्न

सिरसा। संगम स्कूल भरोखां में शनिवार को सात दिवसीय योगा कैंप का समापन हो गया। कैंप का संचालन योगाचार्या शुभनीत कौर द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे सप्ताह विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान तकनीकों का अभ्यास करवाकर योग के प्रति जागरूकता और रुचि बढ़ाई। योगाचार्या शुभनीत कौर ने विद्यार्थियों को प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, सुखासन, पद्मासन, वज्रासन,, भ्रामरी प्राणायाम, सूर्य नमस्कार सहित अनेक महत्वपूर्ण योगासन सरल तरीकों से करवाए। उन्होंने प्रत्येक आसन के लाभों और उसके सही तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिससे बच्चों में योग सीखने की उत्सुकता बढ़ गई।

महाशक्ति ट्रस्ट ने नागपुर में 'एक संवाद-नशे के खिलाफ' कार्यक्रम किया आयोजित

नशामुक्त पीढ़ी निर्माण के लिए आगे आएं युवा : भवानी सिंह

ट्रस्ट की नशामुक्ति मुहिम फतेहाबाद से शुरू, गांव-गांव चल रहा जागरुकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

गांव नागपुर स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 'एक संवाद-नशे के खिलाफ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने भाग लिया। कॉलेज की छात्राओं ने तिलक लगाकर और प्रिंसीपल व स्टाफ सदस्यों ने बुके भेंट कर भवानी सिंह का स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्यअतिथि ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसानों के बारे में विस्तार से बताया और स्वयं नशे से दूर रहने और समाज और परिवार को नशामुक्त करने की शपथ दिलाई। कॉलेज के शिक्षकों ने गीतों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों बारे बताया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और विद्यालय स्टाफ से नशा मुक्त समाज की दिशा में खुलकर संवाद किया। उन्हें समझाया कि नशा न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे परिवार और देश का भविष्य नष्ट

फतेहाबाद। महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह को सम्मानित करते स्कूल स्टाफ सदस्य।

कर देता है। बच्चों ने पूरी उत्सुकता और जागरूकता के साथ नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया, जो अत्यंत प्रेरणादायक रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भवानी सिंह ने कहा कि महाशक्ति चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रदेश को नशामुक्त करने की मुहिम को फतेहाबाद जिले से शुरू किया गया है। गांवों में जाकर ट्रस्ट की टीमें युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। इसके साथ-साथ ट्रस्ट ने स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उन्हें जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर आज का युवा जागरूक होकर नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करें तो आने वाले समय में नशे जैसी बुराई हमारे समाज से पूरी तरह दूर हो सकती है। उन्होंने कहा कि बदलते भारत की आशा इन्हीं युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने विद्यार्थियों से आहवान किया कि हम सब मिलकर एक सुरक्षित, स्वस्थ और नशा मुक्त पीढ़ी का निर्माण करें। अंत में स्कूल स्टाफ द्वारा मुख्यअतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

युवा नशे से दूर रहकर खेलों में भाग लें: भरत बैनीवाल

चोपटा। गांव कुतियाना में चोपटा पत्रकार संघ द्वारा एसपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता और पत्रकार मिलन समारोह का आयोजन किया शनिवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक भरत सिंह बैनीवाल द्वारा रिबन काटकर किया। विधायक भरत सिंह बैनीवाल ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों में भाग लेना चाहिए। खेलों में हार जीत मायने नहीं रखती। क्रिकेट के मैदान में जब दो टीमें खेलती है तो टीमों में हार जीत होती रहती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और राजस्थान के भाईचारे को लेकर आयोजित खेल प्रतियोगिता से आपसी संबंध मजबूत होंगे। इस प्रकार के आयोजन समाज में एक अच्छा संदेश देते हैं। सरपंच यूनियन चौपटा ब्लॉक के प्रधान सरपंच प्रतिनिधि विनोद बांगड़वा, चोपटा पत्रकार संघ के प्रधान नरेश बैनीवाल, साहबराम माली, भगत सिंह आदि पत्रकारों द्वारा आए हुए अतिथियों व पत्रकारों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में हरियाणा तथा राजस्थान के मीडिया क्षेत्र से जुड़े खिलाड़ियों की टीमों ने भाग लिया। पहला मैच चोपटा पत्रकार संघ व भादरा की टीम के बीच खेला गया, जिसमें भादरा की टीम विजयी रही।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत टोहाना गुलरवाला व रतिया में व्यापक कार्रवाई

फतेहाबाद। ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत फतेहाबाद पुलिस की नशा मुक्ति टीम एसआई सुंदर के नेतृत्व में टीम टोहाना पहुंची। टीम ने टोहाना शहर और गांव गुलरवाला में पूर्व चिन्हित नशा पीड़ितों से विस्तृत फीडबैक लेकर उनकी वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया। नशा मुक्ति टीम के अनुसार टोहाना में 15 पूर्व चिन्हित ड्रग पीड़ितों का फीडबैक लिया गया, जिनमें से 14 पीड़ित इंजेक्शन ड्रग्स का उपयोग करते पाए गए। इसके बाद टीम ने गांव गुलरवाला में जाकर 18 पूर्व चिन्हित पीड़ितों से बातचीत की। स्थिति का आकलन करते हुए टीम को यहां भी 5 नए ड्रग पीड़ित मिले, जो सभी टीका लगाने की लत में पाए गए। सभी पुराने और नव चिन्हित पीड़ितों को मौके पर ही विस्तृत काउंसलिंग दी गई तथा नशा छोडने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए आयुर्वेदिक औषधियां उपलब्ध कराई गई, ताकि वे सुरक्षित और स्वस्थ रिकवरी की राह पर आगे बढ़ सकें।

उपायुक्त कार्यालय पर आक्रोश प्रदर्शन 26 को

तैयारियों को लेकर भट्टू में बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

किसान आंदोलन की पांचवीं वर्षगांठ पर किसान सभा, खेत मजदूर यूनियन और सीटू द्वारा 26 नवंबर को फतेहाबाद में डीसी कार्यालय पर आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन को लेकर तीनों संगठनों द्वारा जिलेभर में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में देवीलाल पार्क, भट्टूकलां में तीनों संगठनों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता किसान सभा के तहसील प्रधान सुभाष भादू, खेत मजदूर यूनियन के नेता राजाराम, मिड डे मील यूनियन से भागी देवी ने की एवं संचालन खेत मजदूर नेता जगदीश शर्मा ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए किसान सभा जिला प्रधान विष्णु दत्त शर्मा व खेत मजदूर यूनियन के जिला सचिव रामकुमार बहबलपुरिया ने कहा कि बरसात से हुए जलभराव से हजारों मकानों को नुक्सान हुआ है, फसलें बर्बाद हो गई हैं जिससे मजदूरों को भी आर्थिक हानि हुई है। मकानों, फसलों व मजदूरों को हुए नुकसान का मुआवजा तुरंत दिया जाए। फसल बीमा कंपनियां क्लेम देने में कोताही कर रही है। खाद-बीज की किल्लत व मंडियों में एमएसपी रेट पर फसलों की खरीद न करके लूट का धंधा जारी है। इस पर रोक लगाई जाए। संकट के समय भूमिहीन ग्रामीण मजदूरों को मनरेगा के तहत काम दिया जाए और दिहाड़ी मजदूरी तुरंत दी जाए। परियोजना वर्करों और निर्माण मजदूरों, ग्रामीण सफाई कर्मचारियों, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की बजाय समय पर वेतन भुगतान भी नहीं किया जा रहा। संगठनों की मांग है कि तमाम मीड डे मील, आशा, आंगनवाड़ी, क्रेच वर्करों, ग्रामीण व नगर कर्मचारियों को पक्का किया जाए।

ये रहे मौजूद

मीटिंग में मास्टर हनुमान सिंह, रोहतास डूडी, मनीष सिवाच, रोहतास मेहूवाला, शर्मिला देवी, अरूण कुमार, अनिल कुमार, सुनील कुमार, बजरंग मील फौजी, कृष्ण कुमार खाबडा, कौर सिंह गोस्वामी सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल हुए।

ओलंपियाड प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक उच्च विद्यालय खैरपुर में जिला स्तरीय दो दिवसीय गणित ओलंपियाड प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जिले के गणित प्रवक्ताओं एवं अध्यापकों को बीजगणित, ज्यामिति, संख्या पद्धति तथा तार्किक क्षमता से संबंधित उच्च स्तरीय शिक्षण तकनीकों से अवगत करवाना रहा, ताकि वे स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप बेहतर रूप से तैयार कर सकें। मुख्य वक्ता जिला गणित विशेषज्ञ डॉ. प्रियदर्शन बैनीवाल ने कहा कि गणित ओलंपियाड की तैयारी करवाने के लिए अध्यापकों को आधुनिक तकनीकों में दक्ष बनाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों में गणित के प्रति सकारात्मक रूझान, तार्किक चिंतन और समस्या समाधान क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गणित विशेषज्ञ नरेश नरूला के कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में

सिरसा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्यापकों को तकनीकां से अवगत करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

ओलंपियाड स्तर की प्रतियोगिताओं में बीजगणित, ज्यामिति, संख्या प्रणाली, तार्किक क्षमता, पैटर्न पहचान, डेटा इंटप्रिटेशन जैसे उच्च स्तरीय प्रश्नों का अभ्यास कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों से कुल 35 गणित प्रवक्ताओं नेभाग लिया। प्रशिक्षण में बीजगणित एवं ज्यामिति से जुड़े कठिन प्रश्नों को सरल तरीकों से हल करने की तकनीकें साझा की गई।

चार्जिंग में लगी स्कूटी की बैटरी फटने से छह दुपहिया वाहन जले

सिरसा। शहर में शनिवार को एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। आगजनी की इस घटना में पांच स्कूटी व एक मोटरसाइकिल जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आगजनी से बिजली की वायरिंग भी जल गई। आरएसडी कॉलोनी निवासी सुरेश गोयल ने बताया कि उसकी गैलरी में 6 स्कूटी खड़ी थी। उसमें 2 स्कूटी चार्जिंग पर लगी थी और पास में एक बाइक खड़ा था। एक स्कूटी ज्यादा चार्जिंग होने की वजह से धमाके के साथ फट गई। इससे एक के बाद एक स्कूटी ने आग पकड़ ली। आग इतनी

तेज थी कि पांच स्कूटी व एक बाइक पूरी तरह जल गए। घर के आंगन में जहां ये वाहन खड़े थे, वहां आग लगने से नीचे का फर्श फट गया, पर कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। वाहनों के जलने से काफी नुकसान हुआ है। सुरेश गोयल ने बताया कि जोर से तेज धमाके की आवाज सुनी थी। एक स्कूटी की बैटरी फटी थी।

रिफ्लेक्टर लगाओ अभियान चलाया

रतिया। युवा शक्ति क्लब रतिया द्वारा आगामी सर्दी कोहरे व धुंध के मौसम को देखते हुए दुर्घटनाओं से बचाव हेतु शनिवार सुबह शहर के संजय गांधी चौक पर वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाओ अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहर थाना अध्यक्ष रणजीत सिंह पहुंचे। उन्होंने युवा शक्ति क्लब के समाज हित में किए जा रहे कार्यों के प्रशंसा करते हुए कहा कि क्लब द्वारा आज वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए जिससे काफी हद तक दुर्घटनाओं कम किया जा सकता है। हम सबको भी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अपने अपने स्तर पर विशेष कार्य करने चाहिए। थाना अध्यक्ष ने कहा कि अगर गाडियों पर बैक लाइट या रिफ्लेक्टर लगे होंगे तो पीछे से आने वाले वाहनों के साथ गाड़ी की टक्कर होने की संभावनाएं कम हो जाती है।

मिठड़ी स्कूल में खंड स्तरीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम का किया आयोजन

ओढां। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिठड़ी में खंड स्तरीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे 6वीं से 8वीं स्तर पर डांस क्लासिक, डांस फॉक, थिएटर, म्यूजिक (क्लासिक और फ़ॉक) और 9वीं से 12वीं स्तर पर फ़ॉक हरियाणवी ग्रुप सॉग, फ़ॉक हरियाणवी ग्रुप डांस, ग्रुप थिएटर व विजुअल आर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमे ब्लॉक के विभिन्न स्कूलों नें हिस्सा लिया जिनमें 6वीं से 8वीं स्तर में शास्त्रीय नृत्य में प्रथम जीएमएस किंगरा, डांस फ़ॉक में प्रथम जीएसएसएस जलालआना, द्वितीय जीएमएस असीर, थिएटर प्रथम में जीएमएस टप्पी, शास्त्रीय संगीत में प्रथम जीएसएसएस देसू मलकाना, द्वितीय जीएसएसएस केवल, म्यूजिक फ़ॉक में प्रथम जीएमएसएसएस कालांवाली, द्वितीय जीएसएसएस जलालआना, तृतीय जीएमएस किंगरा रहे। 9वीं से 12वीं स्तर में फ़ॉक हरियाणवी ग्रुप संगीत में प्रथम जीएसएसएस नोरंग, द्वितीय जीएसएसएस मिठड़ी, फ़ॉक हरियाणवी ग्रुप डांस में प्रथम जीएसएसएस जलालआना, द्वितीय जीएसएस एस देसु मलकाना व तृतीय स्थान पर जीएसएसएस मिठड़ी रहे।

हड़ताल को अवकाश अवधि घोषित करने पर सरकार का जताया आभार

सिरसा। क्लेरिकल एसोसिएशन के जिला प्रधान साहिल बागड़ी ने हड़ताल अवधि को अवकाश अवधि मानने के आदेश जारी करने के लिए प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया है। इसके साथ ही उन्होंने इसके लिए क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसाइटी, प्रदेश के सभी विभागों बोर्ड निगमों व विश्वविद्यालयों के लिपिकीय संवर्ग भारतीय मजदूर संघ का भी आभार प्रकट किया है। उन्होंने बताया कि कि लंबे समय से क्लेरीकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी हरियाणा के नेतृत्व में हरियाणा के सभी विभागों, बोर्ड निगमों व विश्वविद्यालयों के संपूर्ण लिपिकीय संवर्ग अपने सम्मानजनक वेतनमान के लिए संघर्षरत हैं। इसके लिए समस्त लिपिकीय संवर्ग ने पिछले वर्ष बीती 12 से 16 अगस्त 2024 तक हड़ताल की थी। बीती 16 अगस्त 2024 को चुनावों की घोषणा होने पर इस हड़ताल को स्थगित किया गया था। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सरकार जल्द ही लिपिकीय संवर्ग के वर्षों से लंबित वेतनमान की विसंगतियों को दूर करके प्रदेश के लगभग 30 हजार लिपिकीय संवर्ग को उनका हक सौगात के रूप में देने का कार्य करेगी।

जनजातीय गौरव दिवस पर सेमिनार

सिरसा। डाइट, डिंग में जनजातीय गौरव दिवस एवं भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर शनिवार को एक सेमिनार हुआ। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम सत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रो. सत्यपॉल बिश्नोई ने जनजातीय गौरव विषय पर अपना विस्तारपूर्वक व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए भारत की जनजातीय विरासत, योगदान, संस्कृति, संघर्षों तथा जनजातीय गौरव दिवस की जानकारी दी। वहीं, दूसरे सत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय के इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रो. एवं अध्यक्ष डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कारडोली सत्याग्रह विषय पर अपनी प्रेरक एवं तथ्यपूर्ण प्रस्तुति देते हुए सरदार पटेल के नेतृत्व, संगठन क्षमता तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान को प्रभावी ढंग से उजागर किया। दोनों व्याख्यान प्रतिभागियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहे। डाइट प्रभारी सुरेंद्र सिंह नूनिया ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों व शिक्षकों को प्रेरित करने का काम करते हैं। डॉ. दलीप गोदारा ने कहा कि इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिनेश ने ताइक्वांडो में जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओढां

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा के छात्र दिनेश ने अपनी अदम्य ऊर्जा, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल-प्रदर्शन के दम पर स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ताइक्वांडो स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय व क्षैत्र का नाम रोशन किया है। राष्ट्रीय स्तर

की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दिनेश ने शानदार मुकाबले दिखाते हुए मंच पर अपना परचम लहराया। कांस्य पदक जीत कर जब दिनेश विद्यालय पहुंचे तो पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल था। प्रार्थना सभा में प्राचार्य ललित कालड़ा, सभी शिक्षक और विद्यार्थियों ने उनका जोरदार तालियों और फूलमालाओं से स्वागत किया। छात्र दिनेश को विद्यालय द्वारा खेल गौरव सम्मान अवॉर्ड देकर और उसके पिता सुभाष चंद्र को शॉल देकर सम्मानित किया गया।

नशा बेचना छोड़ें या शहर छोड़ दें तस्करः एएसपी

सिरसा। रानियां के गांव बालासर में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के दूसरे दिन एएसपी फैसल खान ने नशा तस्करों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि नशा तस्कर या तो जिले में नशा बेचना छोड़ दें या फिर जिला छोडक़र चले जाएं। इस अवसर पर रानियां थाना प्रभारी गुरनमिंद्र सिंह भी मौजूद रहे। सांसद खेल महोत्सव के तहत गांव बालासर में कबड्डी, वॉलीबॉल और खो-खो के मुकाबले आयोजित किए गए। इन खेलों के फाइनल मुकाबले खेले गए, जिसमें गांव के गणमान्य व्यक्ति, सरपंच धर्मपाल सिंह, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस अवसर पर एएसपी फैसल खान ने नशा तस्करों को सीधे तौर पर चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में नशा तस्करों के दिन अब गिने-चुने हैं। उन्हें या तो अपने अवैध धंधे को छोडऩा होगा या फिर जिले से बाहर जाना होगा। एएसपी ने सांसद खेल महोत्सव को सरकार की एक अच्छी पहल बताया। उन्होंने कहा कि खेल कार्यक्रमों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए, क्योंकि इनके कई फायदे हैं। खेल से फिटनेस और फिट इंडिया अभियान को बढ़ावा मिलता है।

पुलिस अधीक्षक की जिलावासियों से सतर्क रहने की अपील

ई-सिम के नाम पर बढ़ते साइबर फ्रॉड से रहें सावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

प्रदेश में हाल ही में ई-सिम एक्टिवेशन व अपडेट के नाम पर साइबर ठगी के कई मामले सामने आने के मद्देनजजर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिलावासियों को सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी मोबाइल कंपनियों या टेलीकॉम कस्टमर केयर प्रतिनिधि बनकर कॉल, मैसेज और ई-मेल के जरिए लोगों से बैंकिंग विवरण, ओटीपी और निजी जानकारी हासिल कर रहे हैं तथा उनके खातों से धनराशि निकाल रहे हैं। ठग 'आपका सिम 24 घंटे में बंद हो जाएगा' या 'आपका ई-सिम अपडेट होना है' जैसे भ्रामक संदेश भेजते हैं, नकली कस्टमर केयर बनकर ओटीपी मांगते हैं, और लिंक या क्यूआर कोड भेजकर ई-सिम अपडेट का झांसा देते हैं। ओटीपी मिलते ही वे पीड़ित का नंबर अपने

एसपी सिद्धांत जैन।

डिवाइस पर ई-सिम में पोर्ट कर लेते हैं, जिससे बैंकिंग ओटीपी सीधे उनके फोन पर पहुंचने लगते हैं और वे खातों से रकम उड़ा लेते हैं।

पुलिस ने स्पष्ट रूप से कहा है कि नागरिक किसी भी व्यक्ति को ओटीपी न बताएं, क्योंकि टेलीकॉम कंपनियां कभी भी फोन पर ओटीपी नहीं मांगतीं। ई-सिमन अपडेट हमेशा अधिकृत स्टोर या आधिकारिक मोबाइल ऐप के माध्यम से ही करें। किसी अनजान लिंक, क्यूआर कोड या फाइल पर क्लिक न करें। सिम बंद होगा, ई-सिम वेरिफिकेशन जरूरी है या कस्टमर केयर से बोल रहा हूँ, जैसी कोई भी संदिग्ध कॉल/मैसेज मिलते ही तुरंत सतर्क हो जाएं। बैंकिंग ऐप, वॉलेट या यूपीआई संबंधी कोई भी जानकारी किसी के साथ साझा न करें, और सोशल मीडिया पर उपलब्ध संदिग्ध कस्टमर केयर नंबरों पर कतई कॉल न करें, क्योंकि इनमें से अधिकांश फर्जी होते हैं। यदि कोई व्यक्ति ई-सिम या ओटीपी फ्रॉड का शिकार हो जाता है, तो उसे तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर रिपोर्ट करनी चाहिए, साथ ही पोर्टल पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

ग्यारहवां पुरस्कार (इलैक्ट्रिक कैटल-100 नग)

❖ श्री अजय कुमार सुपुत्र श्री सुंदर लाल, 1910/30, न्यू चिन्योट कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री प्रशांत सुपुत्र प्रमोद, नेहरू कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री मदन गोपाल सचदेवा सुपुत्र मुलखराज सचदेवा, म. नं. 309/16, प्रताप मोहल्ला, रोहतक ❖ जगबीर सुपुत्र श्री देशराज, गांव मोहम्मदपुर, दुलोठ जाट, अटेली, महेन्द्रगढ़ ❖ रोहित बंसल सुपुत्र श्री दीपक बंसल, वार्ड नं. 6, दीवान गेट, झज्जर ❖ जय नारायण सुपुत्र श्री दुर्गा प्रसाद, साल्हावास, झज्जर ❖ दर्शना देवी धर्मपत्नी धर्मबीर सिंह, गांव दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ रतन लाल सुपुत्र श्री समसूराम नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ़ ❖ श्री रामचंद्र सुपुत्र रामभगत, अमृत कॉलोनी, वार्ड 22, रोहतक ❖ श्री भगत सिंह सुपुत्र श्री बनवारी लाल, नजदीक रेलवे स्टेशन, वार्ड नं. 2, (आटा चक्की) कलानौर, रोहतक ❖ दिव्या सुपुत्री श्री परवीन, जहाजगढ़, बेरी, झज्जर ❖ सुरेश कुमार सुपुत्र श्री बलराम, साल्हावास, झज्जर ❖ निहारिका शर्मा पत्नी दीपक शर्मा निवासी 15/40, 5 बिस्वा, जटवाड़ा मोहल्ला, बहादुरगढ़ ❖ महेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री भागचन्द, दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ महाबीर सिंह सुपुत्र श्री जागे राम, कबलान, झज्जर ❖ जिया पुत्री श्री अमित निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ शर्मिला पत्नी श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ दिलबाग सिंह सुपुत्र श्री जगत सिंह, निवादा, साल्हावास, झज्जर ❖ राधे श्याम सुपुत्र स्व. श्री हजारी लाल, गांव व डा. नन्दरामपुर बांस, रेवाड़ी ❖ मदन लाल वर्मा सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद म. नं.4, गली नं. 3/1, सरस्वती विहार, कालका रोड, रेवाड़ी ❖ प्रिन्स सुपुत्र श्री अमन, मारोत, मातनहेल, झज्जर ❖ श्री रणवीर सिंह सुपुत्र श्री राम, गांव व डा. तुंबाहेड़ी, झज्जर ❖ मामन सिंह सुपुत्र श्री चन्द्रभान, गांव नलड़ा, बेरी, झज्जर ❖ दयानन्द सुपुत्र श्री मंगलराम, गांव लूखी, कोसली, रेवाड़ी ❖ धर्मवीर सिंह सुपुत्र श्री सुरजभान, नारनौल, महेन्द्रगढ़ ❖ अमन सोलंकी पुत्र श्री श्रीपाल सोलंकी, निवासी मकान नं0 2459, सेक्टर 2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ मधुबाला पत्नी श्री जय भगवान निवासी मकान नं.840/13, गली नं.10 भगत सिंह कालोनी, बहादुरगढ़ ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह निवासी गांव डाबौदा कलां, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ तेजबीर राठी पुत्र श्री जागेराम निवासी गांव व डाकखाना सांखौल, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ विनोद कुमार पुत्र श्री मनोहर लाल गांव व डाकखाना सांवड़, जिला चरखी दादरी ❖ रमन सुपुत्र श्री रिंकू, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ सुनीता पत्नी मुकेश निवासी रामनगर, परनाला रोड़, गली नं.4, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ सुरेन्द्र कुमार सैन पुत्र श्री सन्जू निवासी गुजरों की ढाणी, पुराना बस स्टैंड, भिवानी ❖ श्री महेंद्र सिंह सुपुत्र खेड़ी सिंह, गांव व ड. भालौठ, रोहतक ❖ मयंक पुत्र श्री जतिन कुमार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ सुलेखा पत्नी श्री हरिओम निवासी गांव रोहद, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ श्याम करण पुत्र श्री सोनी लाल निवासी छिकारा कालोनी, गली नं.5, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ दयाराम पुत्र श्री कमलेश निवासी आर्य नगर, गली नं.2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ देवेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री राजिन्द्र सिंह, गांव व डा. शेशवाला, दादरी ❖ समीर पुत्र श्री प्रदीप निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ उमेश पुत्र श्री हव सिंह निवासी 12/410, सैनी पुरा, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ हवा सिंह पुत्र श्री लखीराम निवासी गांव व डाकखाना गोयला कलां, बादली, झज्जर ❖ आशीष वर्मा पुत्र श्री बलवान सिंह निवासी सुहासरा, लोहारू, जिला भिवानी ❖ श्री राकेश कुमार सुपुत्र ब्रह्मजीत सिंह, गांव व डा. बोहर, रोहतक ❖ परवीन कुमार सुपुत्र श्री दिलबाग सिंह गांव व डा. लोहारहेड़ी, बहादुरगढ़, झज्जर ❖ श्री रवि सुपुत्र हरि सिंह, 822, दरमान मौहल्ला, रोहतक ❖ हर्ष मित्तल पुत्र श्री रविन्द्र कुमार निवासी मकान नं 5, नजदीक लिबर्टी होम्स, शिव नगर कालोनी, भिवानी ❖ श्री अंकुर सुपुत्र श्री रामफल, खरक जाटान, बैंसी, तह. महन, रोहतक ❖ मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री कन्हैया लाल, गांव लोहारहेड़ी, बहादुरगढ़, झज्जर ❖ वीर भान पुत्र श्री काली चरण निवासी मकान 802/19, आर्य नगर, रोहतक

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

खबर संक्षेप

स्वदेशी मेले के लिए शुरू किया जनसंपर्क

हिसार । स्वदेशी की अलख जगाने एवं स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए पुराना गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में 12 से 16 दिसंबर तक लगने वाले पांच दिवसीय स्वदेशी मेले में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के सैकड़ों विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं उन्हें विभिन्न स्पर्धाओं की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए स्कूल संपर्क अभियान शुरू किया गया। स्कूल संपर्क प्रमुख मोना जैन व प्रतियोगिता प्रमुख ऋचा जांगड़ा ने स्वदेशी मेले के अन्य पदाधिकारियों के साथ मिलकर हिसार के विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर स्वदेशी मेले से संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाई।

ढंढूर में ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का शुभारंभ

हिसार । पंजाब नेशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्र सच्चा खेड़ा (जींद) की ओर से गांव ढंढूर में 15 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में गांव की 30 अनुसूचित जाति की महिलाओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम सीआईआरबी, हिसार की वित्तीय सहयोग द्वारा किया जा रहा है। इसका उद्घाटन दीप प्रज्वलित करके किया गया।

शिकारपुर के स्कूल में छात्रों को किया सम्मानित

हिसार। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शिकारपुर में ब्लाइंड मामलों के विशेषज्ञ पुलिस सब इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार घोड़ेला शनिवार को प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में पहुंचे। कृष्ण कुमार घोड़ेला शिकारपुर विद्यालय के ही पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने प्रार्थना सभा में विद्यालय से जुड़ी अपनी कुछ पुरानी यादें साझा की। इस दौरान ब्लॉक स्तर पर प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली दसवीं कक्षा की छात्रा कोमल, मॉडल मेकिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले नौवीं कक्षा के छात्र जतिन तथा तृतीय स्थान प्राप्त आठवीं के छात्र हर्ष को इनाम देकर सम्मानित किया गया। इनके अलावा अन्य प्रतिभागी याचिका, पूजा, मनीष, प्राची, संजीव व राहुल को भी सम्मानित किया गया।

'अंधेर नगरी चौपट राजा' का मंचन आज

हिसार । नया नाट्यप्रस्थ रंगमंच की ओर से व्यंग्य नाटक 'अंधेर नगरी चौपट राजा' का मंचन 16 नवम्बर को शाम साढ़े 5 बजे बाल भवन में किया जाएगा। नाटक का निर्देशन कर रहे रंगकर्मी राज बहादुर आर्य ने बताया कि भारतीय रंगमंच की इस कालजयी रचना में समाज, सत्ता और व्यवस्था पर तीखा व्यंग्य प्रस्तुत किया जाता है। नाटक की प्रस्तुति आधुनिक संदर्भों के साथ दर्शकों को सोचने और हंसने दोनों के लिए प्रेरित करेगी। यह कार्यक्रम रंगमंच प्रेमियों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और सभी सांस्कृतिक रसिकों के लिए अत्यंत रोचक और सार्थक होगा। नाटक के कलाकारों की टीम प्रस्तुति को यादगार बनाने के लिए तैयार है।

कैडेट्स ने लिया वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग

हिसार। एनसीसी तृतीय बालिका वाहिनी के तत्वावधान में आयोजित हुए वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज के कैडेट्स ने भाग लिया। महाविद्यालय की एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. सरोज मलिक ने बताया कि शिविर का आयोजन कर्नल ज्ञानप्रकाश पांडे की देखरेख में हुआ।

महिला महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

हिसार । राजकीय महिला महाविद्यालय में भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी हीना पाहुजा और सुनीता और सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रभारी सतबीर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार व उच्चतर शिक्षा निदेशालय हरियाणा सरकार द्वारा जारी निर्देशानुसार किया गया। विद्यार्थियों और सभी शिक्षकगणों द्वारा 'राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम' का सामूहिक गायन किया गया। इसके

आर्य समाज के 138वें वार्षिकोत्सव का शुभारंभ

मानव के प्रभाव का निर्धारण शरीर, वस्त्र और वाणी से होना चाहिए : सोमदेव

आर्य समाज लाला लाजपतराय चौक के 138वें वार्षिक उत्सव का शुभारंभ दूसरे दिन यज्ञ के साथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपदेश देते आचार्य सोमदेव व उपस्थित छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

आर्य समाज लाला लाजपतराय चौक नागोरी गेट हिसार के 138वें वार्षिक उत्सव का शुभारंभ दूसरे दिन यज्ञ के साथ हुआ। यज्ञ के ब्रह्मा पं. कर्मवीर शास्त्री रहे तथा यजमान के रूप में दंपत्ति मदन वासुदेवा व वीना वासुदेवा, सतीश चाहर व रोशनी चाहर, राधेश्याम मित्तल व गीता मित्तल, राज आर्य व शशि आर्य ने यज्ञ की शोभा बढ़ाई। मंच का संचालन डॉ. प्रमोद योगार्थी ने किया।

राजस्थान से पहुंचे आचार्य सोमदेव ने यज्ञ के स्वरूप प्रस्तुत करते हुए देश राष्ट्र समाज के प्रति कर्तव्य बोध कराया। दिल्ली से आर्य जगत के सुप्रसिद्ध विद्वान आचार्य सोमदेव ने आर्य सिद्धांतों का उल्लेख किया। वैदिक युग में गुण, कर्म, स्वभाव से वर्ण व्यवस्था का विभाजन होता था। आज सारा देश जाति के नाम से बंटा हुआ दिखाई देता है जो देश के पतन का मुख्य कारण है। इस समस्या का समाधान वैदिक साहित्य में ऋषियों ने पूर्व ही लिख दिया है वह है जन्म से नहीं अपितु गुण कर्म से वर्णों का निर्धारण करें। आचार्य सोमदेव ने कहा कि मानव व्यक्तित्व का प्रभाव पांच बातों से होता है। शरीर, वस्त्र, वाणी, विद्या, विनम्रता इन पांच बातों पर ध्यान देना चाहिए। जिसे स्वयं को प्रभावशाली बनाना है तो इन पांच चीजों पर ध्यान देना होगा।

प्रभु के बिना कोई ठिकाना नहीं

दिल्ली से समागत आचार्या अमृता आर्या के महर्षि दयानंद के यशगान में 'वेदों का दिवाना था ऋषि दयानंद' भजन से लोगों को ऋषि दयानंद के जीवन से प्रेरित किया। इसके अलावा उन्होंने 'है अभागा वो जिसने जाना नहीं, प्रभु के बिना कोई ठिकाना नहीं' आदि से उपस्थित जनों को भाव विभोर किया। उन्होंने अपने भजनोपदेश में कहा कि व्यक्ति विचारों से ही उठता और गिरता है, इसलिए अपनी विचाराधरा को वेदानुकूल रखें। ईर्ष्या, द्वेष की भावना को छोड़कर प्रेम, स्नेह का वातावरण बनाना चाहिए। आचार्या अमृता आर्या ने ईश्वर भक्ति पर अपनी अनेक रचनाएं प्रस्तुत कीं।

ये रहे उपस्थित

आर्य समाज के महामंत्री नरेंद्र मिगलानी ने बताया कि वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की व्यवस्था प्रधान देवेंद्र सिंह सैनी, उपप्रधान दलबीर सिंह आर्य, कोषाध्यक्ष बलराज मलिक, सत्यप्रकाश गोपाल, रमेश कुमार लीखा, संजय चौपड़ा, सुनील गोयल आदि पदाधिकारियों द्वारा की गई है। इस अवसर पर रामकुमार टोकस ने भजन सुनाए। महावीर सिंह आर्य, आर्य समाज सिरसा के पदाधिकारीगण, तहसीलदार प्रो. गोपीचंद, नंदलाल चौपड़ा, राजवीर भाटिवाल, प्रेम गाबा, मा. रत्न सिंह आर्य, सीताराम आर्य, बनी सिंह जांगड़ा, सुरेंद्र रावल, श्याम सुंदर व कुलदीप ग्रोवर आदि महानुभवों ने उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई।

हिसार। सैनिक स्कूल कमांडेट कर्नल डीवी नेहरा के साथ एनसीसी कैडेट्स।

सैनिक स्कूल खारा खेड़ी का शानदार प्रदर्शन

हिसार । सैनिक स्कूल खारा-खेड़ी के 43 एनसीसी कैडेट्स ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 167 में भाग लिया। यह शिविर द ई 5 महिला कॉलेज गढ़ी हांसी में आयोजित किया गया। स्कूल की एनसीसी अधिकारी केयर टेकर ऑफिसर किरण ने बताया कि थर्ड हरियाणा बटालियन एनसीसी हिसार के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुनील कटारिया तथा प्रशासक कर्नल विनय खेत्रपाल के दिशा-निर्देशन में आयोजित शिविर में स्कूल के कैडेट्स ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कैडेट्स को ड्रिल, राइफल शूटिंग, टेंट पिचिंग, वेपन हैंडलिंग, मंच संचालन, खो-खो, रस्साकसी, पोस्टर मेकिंग, सांस्कृतिक गतिविधियों और स्किल डेवलपमेंट जैसी अनेक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला। कैडेट्स ने इन प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 74 पदक हासिल किए जिनमें 52 स्वर्ण व 22 रजत पदक शामिल हैं। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त बनाना था। स्कूल निदेशक डॉ. युद्धवीर सिंह, स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डीवी नेहरा, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य ने स्कूल पहुंचने पर सभी कैडेट्स का स्वागत किया।

अग्रोहा धाम में हो रहे विकास कार्य : बजरंग

- अग्रोहा धाम में श्रीमद् भागवत कथा 28 से, शुभारंभ अवसर पर निकाली जाएगी कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग समाज के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की मीटिंग अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में अग्रोहा धाम में होने वाला श्रीमद् भागवत कथा, भंडारा, भजन समारोह व अग्रोहा धाम के विकास पर विचार किया गया। अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष को बजरंग गर्ग ने मंदिर में पूजा करने के उपरांत कहा कि अग्रोहा धाम में श्रीमद् भागवत कथा 28 नवंबर से 4 दिसंबर तक होगी। जिसमें 28 नवंबर को सुबह भव्य महिला कलश यात्रा निकाली जाएंगी। बजरंग गर्ग ने कहा की 4 दिसंबर को भव्य भजन समारोह, छप्पन भोग व सवामणी का प्रसाद लगेगा और 5 दिसंबर को हवन व भंडारे का कार्यक्रम होगा। बजरंग गर्ग ने कहा कि समाज के सहयोग से अग्रोहा धाम में कई सालों से करोड़ों रुपये की लागत से विकास कार्य चल रहे हैं, जिसका काम 12 महीने चलता है। इस अवसर पर एन के गोयल, ऋषि राज गर्ग, सत्यपाल अग्रवाल, अनिल सिंगला मंगाली वाले, ब्रह्मानंद, गोयल, अनंत अग्रवाल, चूडियां राम गोयल, आनंद गोयल, आशीष सिंगला, राजेंद्र बंसल, निरंजन गोयल, ईश्वर सेठ, रवि सिंगला आदि रहे।

आरपीएस सैनिक स्कूल में समूह गीत प्रतियोगिता का आयोजन

हांसी । आरपीएस सैनिक स्कूल में शनिवार को छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए स्टोरी टेलिंग और इंटर हाउस समूह गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छठी कक्षा के छात्रों ने विभिन्न विषयों पर प्रभावशाली कहानियां प्रस्तुत की, जिसमें कैडेट आर्यमन गुप्ता ने प्रथम, कैडेट अनिकेत कुमार ने दूसरा और कैडेट लक्ष्य कुमार सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं इंटर हाउस समूह गीत प्रतियोगिता में कल्पना हाउस विजेता रहा। इस हाउस के छात्रों विक्षांत, आहना, नक्षित, प्राची और लक्की ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रामानुजन हाउस उपविजेता रहा, जिसमें यश, रवि, मानव, आदित्य और प्रतीक की प्रस्तुति सराहनीय रही।

हयूमन लर्निंग सिस्टम पर कार्यशाला आयोजित

- टीटीआई को गुणवत्ता, प्रबंधन और उत्कृष्टता के लिए आईएसओ प्रमाण पत्र मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के आयुक्त एवं सचिव विजय दहिया ने प्रशिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (टीटीआई) में हयूमन लर्निंग सिस्टम (एचएलएस) कार्यशाला का शुभारंभ किया। साथ ही टीटीआई को प्राप्त हुए आईएसओ प्रमाण पत्र को जारी कर कार्यशाला में आए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित भी वितरित किए। कार्यशाला में टीटीआई के संयुक्त निदेशक कम प्रिंसिपल डॉ. सुखदेव राठी ने बताया कि टीटीआई को गुणवत्ता, प्रबंधन और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए आईएसओ प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। जो विभाग व टीटीआई के लिए खुशी की बात है। टीटीआई के बुनियादी ढांचे, सुविधाओं और प्रमुख गतिविधियों पर संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यशाला में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के सेंटर फॉर कॉम्पलेक्सिटी, इकोनॉमिक्स के निदेशक प्रोफेसर नरेश और प्रोफेसर तरुण विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इन्हें विशेष क्षेत्र में उच्च स्तर का ज्ञान, कौशल या अनुभव प्राप्त है। इन्होंने एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला से सम्बंधित विषयों पर गहनता से प्रतिभागियों के साथ विचार सांझा किए। इस अवसर पर डॉ. रविंद्र सैनी, डॉ. राजीव बांगर, डॉ. रामकरण तथा कार्यशाला में आए गणमान्य व्यक्तियों, विशेषज्ञों और प्रतिभागियों ने भाग लिया।

खबर संक्षेप

कृषि ट्रैक्टर को पहला सीएमवीआर प्रमाण पत्र जारी

हिसार। उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (टीटीसी) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपना पहला सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स (सीएमवीआर) प्रमाणपत्र एग्रोमैक्स ट्रैक्टर्स एंड इक्विपमेंट्स प्रा. लि., लुधियाना, पंजाब को उनके कृषि ट्रैक्टर मॉडल एग्रोमैक्स 1355 के लिए जारी किया है। यह उल्लेखनीय है कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा संस्थान को इसी वर्ष माह मई में ही कम्बाइन हार्वेस्टरों और कृषि ट्रैक्टरों के लिए सीएमवीआर प्रमाणपत्र जारी करने की आधिकारिक मंजूरी प्राप्त हुई थी। टीटीसी सीएमवीआर प्रमाणीकरण के लिए एनएबीएल द्वारा भी अधिकृत है। इस मंजूरी के पश्चात जारी किया गया यह पहला प्रमाण पत्र संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह प्रमाण पत्र संस्थान द्वारा निर्धारित सीएमवीआर प्रमाणन दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक परीक्षणों एवं अवलोकनों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए टीटीसी के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने कहा कि संस्थान द्वारा पहला सीएमवीआर प्रमाणपत्र जारी किया जाना हम सभी के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

जीएमएस देवसर स्कूल की छात्रा रीनू रही प्रथम

सिवानी । हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकूला द्वारा आयोजित साइंस, मैथ्स एग्जिबिशन तथा पोस्टर मेकिंग एवं रोल प्ले प्रतियोगिता का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी डॉ.सुरेंद्र की अध्यक्षता में नव भारत सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिवानी में ब्लॉक स्तर पर किया गया। इस प्रतियोगिता में विषय थीम जीवन शैली एवं पर्यावरण, कृषि संचार एवं यातायात, स्वास्थ्य, कंप्यूटर सनम थिंकिंग थे। प्रतियोगिता में जीएमएस देवसर स्कूल की छात्रा रीनू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल इंचार्ज हरिओम गोदारा ने बताया कि पूरे स्कूल स्टॉफ को स्कूल की छात्रा रीनू को ब्लॉक स्तर पर प्रथम आने पर गर्व हैं। स्कूल के साइंस अध्यापक कर्मपाल सिंह श्योराण का कहना है कि रीनू एक होनहार छात्रा हैं और जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो तब तक रुकने का नाम नहीं लेती। स्कूल के डीडीओ सुभाष चंद्र समेत अन्य अध्यापक जयप्रकाश, राजकुमारी, विनोद कुमार, दुलीचंद व एबीआरसी पंकज श्योराण आदि रहे।

श्री सनातन धर्म विद्यालय की छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

हांसी । श्री सनातन धर्म कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से अपने अभिभावकों व विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय प्राचार्या रेणु बंसल ने बताया कि राजकीय आदर्श संस्कृत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव-2025 खंड हांसी प्रथम के अंतर्गत संवाद प्रतियोगिता में विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा चाहत व लक्ष्मी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में सान्या ने व निबंध प्रतियोगिता में जानवी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में खंड के अनेक विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें विद्यालय की छात्राओं ने अपनी ज्ञान, प्रज्ञा प्रभावशाली अभिव्यक्ति और गीता के श्लोक की उत्कृष्ट व्याख्या से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।

विज्डम स्कूल के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

हिसार । साउथ बाइपास स्थित विज्डम स्कूल के कक्षा चौथी के विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक भूमि कुरुक्षेत्र का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के साथ-साथ विज्ञान एवं संस्कृति से जुड़े केंद्रों का अवलोकन किया। विद्यालय संचालक हरिपाल पिलानिया के अनुसार, भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं वैज्ञानिक धरोहर से परिचित कराना था। बच्चे सबसे पहले ज्योतिसर तीर्थ पर गए जहां उन्होंने जाना कि इस भूमि पर ही भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता जी का उपदेश दिया। उसके बाद बच्चों ने विश्वविद्यालय में स्थित धरोहर का रूख किया।

हिंदू स्कूल में कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग का आयोजन

हांसी । हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन द्वारा शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षकों सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया, जिससे यह प्रशिक्षण क्षेत्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक प्रयास साबित हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 60 शिक्षकों ने प्रतिभागी के रूप में भाग लिया तथा सीबीएसई से अधिकृत 2 प्रशिक्षकों ने सत्र का संचालन किया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों, कक्षा प्रबंधन, विद्यार्थियों की विविध क्षमताओं के अनुसार शिक्षण शैली, मूल्यांकन पद्धतियों, शैक्षणिक गुणवत्ता, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और 21वीं सदी के कौशल आधारित शिक्षा के विभिन्न आयामों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

विश्व मधुमेह दिवस पर सर्वेश हेल्थ सिटी में जागरूकता कार्यक्रम

हिसार। सर्वेश हेल्थ सिटी में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित लोग व चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

हिसार। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर सर्वेश हेल्थ सिटी में एक विशेष मधुमेह जागरूकता एवं शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, सावधानियाँ और उपचार के आधुनिक तरीकों के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मरीजों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की सबसे विशेष बात यह रही कि अस्पताल में उपचार लेकर स्वस्थ हो चुके संतुष्ट मरीजों ने मंच से अपनी सफलता की कहानियां साझा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. अल्का बिश्नोई ने मधुमेह के प्रकार, कारण, निदान और दीर्घकालीन प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने खानपान में संतुलन, नियमित व्यायाम और समय पर दवा लेने के महत्व पर विशेष जोर दिया। सर्वेश हेल्थ सिटी के डायरेक्टर डॉ. उमेश कालरा ने अस्पताल की ओर से उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं और मरीज-केंद्रित सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही, उन्होंने कहा कि जागरूकता ही मधुमेह रोकथाम का सबसे बड़ा उपाय है।

पहल समझौता ज्ञापन पर दोनों संस्थानों ने किए विधिवत हस्ताक्षर

प्रशिक्षण को बढ़ावा, लुवास एवं टीटीआई के बीच हुआ एमओयू

प्रशिक्षण, वैज्ञानिक ज्ञान के आदान-प्रदान पर दोनों संस्थानों करेंगे आपस में सहयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। एमओयू के अवसर पर दोनों संस्थानों के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

दो प्रमुख संस्थानों लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), एवं 'ट्रेनर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट' (टीटीआई) के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए है। यह कार्यक्रम हरियाणा सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के आयुक्त एवं सचिव विजय सिंह दहिया एवं लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा की उपस्थिति में कुलपति सचिवालय में संपन्न हुआ।

समझौता ज्ञापन पर दोनों संस्थानों की ओर से विधिवत हस्ताक्षर किए गए। लुवास की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. राजेश खुराना ने हस्ताक्षर किए जबकि कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस के अधिष्ठाता डॉ. मनोज कुमार रोज़ ने साक्षी के रूप में उपस्थिति दर्ज की। टीटीआई की ओर से संयुक्त निदेशक एवं प्राचार्य डॉ. सुखदेव राठी एवं पशु चिकित्सा शल्य चिकित्सक डॉ. राजीव बांगर ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर लुवास के कुलसचिव डॉ. एसएस ढाका, अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल एवं आईपीवीएस निदेशक उपस्थित रहे। इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच प्रशिक्षण, वैज्ञानिक ज्ञान के आदान-प्रदान तथा लुवास द्वारा विकसित आधुनिक पशुचिकित्सा तकनीकों को हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के फील्ड कर्मचारियों तक पहुंचाने के लिए एक सहयोगात्मक ढांचा स्थापित करना है। यह पहल राज्य में पशु चिकित्सा अनुसंधान के मैदानी स्तर पर उपयोग को मजबूती प्रदान करेगी तथा पशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार सुनिश्चित करेगी।

उद्देश्य बताया

कार्यक्रम के उपरांत हरियाणा सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के आयुक्त एवं सचिव विजय सिंह दहिया ने लुवास के विभिन्न विभागों तथा न्यू कैंपस का विस्तृत दौरा किया। उन्होंने आईवीएफ-ईटीटी लैब, कॉलेज ऑफ डेयरी साइंस, नव निर्मित रेजिडेंस एवं हॉस्टल परिसर, तथा अत्याधुनिक एनिमल फॉर्म का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में संचालित विविध अनुसंधान परियोजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्र सुविधाओं, आधुनिक प्रयोगशालाओं तथा पशु उत्पादन एवं पशु स्वास्थ्य से जुड़ी तकनीकी पहलों का गहराई से अवलोकन किया। कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने कमिश्नर एवं सचिव विजय सिंह दहिया का लुवास पहुंचने, विश्वविद्यालय की गतिविधियों में रुचि दिखाने तथा निरंतर प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए स्वागत एवं धन्यवाद किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 16 नवंबर 2025

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से
विवश दुनिया भर के पुरुष

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओ रि एं टे ड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रैंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

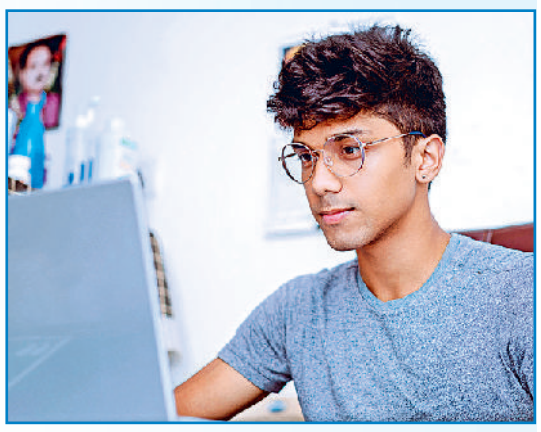

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फा: वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरी: जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरी: चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटें: बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

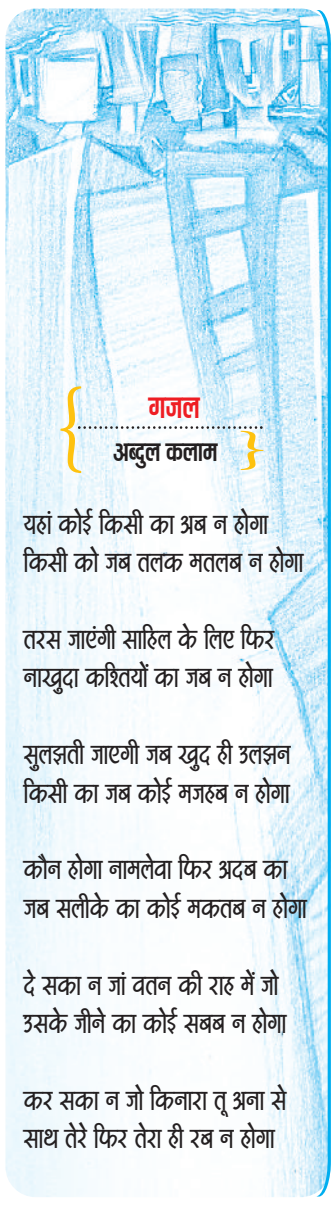

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

रौब जमाती मूंछें!

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रृंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

भाई से बड़ा

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

पुस्तक: शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह) रचनाकार: मनोज मोहन, मूल्य:200 रु, प्रकाशक: संतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चुप्पियों का शोर

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

गोवा को आमतौर पर शानदार सी बीचेज वाले स्थल, हनीमून और मस्ती भरे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर जाना जाता है। लेकिन गोवा में ऐसे कई लोकेशंस भी हैं, जो हमें इतिहास और संस्कृति से रूबरू कराते हैं। जानिए, गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही ऑफबीट टूरिस्ट प्लेसेस के बारे में।

टूरिस्ट स्पॉट
बुशरा फातमा

इतिहास-संस्कृति से रूबरू कराते गोवा के ये अनोखे पर्यटन स्थल

कुर्डी गांव

रिवोना केव

हालांकि भारत के लगभग हर राज्य में ऐसे स्थल मौजूद हैं, ऐसी ढेरों कहानियां और किस्से सुनने-पढ़ने को मिल जाएंगे, जिसमें उस स्थान और अपने देश से जुड़े गौरवशाली इतिहास का ब्यौरा मिलता है। गोवा में भी ऐसे कई कम चर्चित स्थल मौजूद हैं। खूबसूरत सी बीचेज के लिए दुनिया भर में फेमस गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही लोकेशंस के बारे में आपको बता रहे हैं, जहां इतिहास और संस्कृति का मिला-जुला संगम देखने को मिलता है।

बुड़बुड़ ताली

साउथ गोवा के नेत्रवाली में एक अनोखा तालाब मौजूद है, जिसे बुड़बुड़ ताली या बबल लेक के नाम से जाना जाता है। करीब 400 साल पुराना यह तालाब गोपीनाथ मंदिर के प्रांगण में मौजूद है, जहां सिर्फ ताली बजाने या किसी तेज आवाज से ही तालाब के नीचे से पानी के ऊपर की तरफ बुलबुले बनने लगते हैं। यहां के स्थानीय लोगों में इस तालाब को लेकर बहुत श्रद्धा है। हालांकि साइंटिस्ट्स इस प्रभाव के लिए किसी रासायनिक क्रिया और गैस को जिम्मेदार मानते हैं। कुदरत के करिश्मे वाले इस अनोखे तालाब को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं।

उसगलीमल शिलालेख

साउथ गोवा के उसगलीमल गांव में मौजूद यह शिलालेख, करीबन 4 हजार से 6 हजार साल पुराना है। सालों तक इस गांव से बहती कुशावती नदी की गोद में छुपे ये शिलालेख लोगों की नजरों से दूर थे। 1993 में जब गांव वालों की नजर नदी के किनारे पत्थरों पर अलग-अलग आकृतियों पर पड़ी तो उन्होंने पुरातत्व विभाग को खबर दी। पता चला ये हजारों साल पहले, शायद मध्य पाषाण युग का समय था, जब इंसान अपने आस-पास की चीजों को देखकर उसकी आकृति पत्थरों पर उकेरा करता था। इन आकृतियों में जानवर, तरह-तरह के रास्ते और पैरों के निशान देखने को मिलते हैं। अगर आप इतिहास और पुरातात्विक अवशेषों में रुचि रखते हैं, तो गोवा के इस जगह पर आपको जरूर जाना चाहिए। घने जंगल और कुशावती नदी का यह हिस्सा आपका मन मोह लेगा।

कुर्डी गांव

सन 1960 तक सांगेम तालुका नामक स्थान पर मौजूद कुर्डी गांव एक अच्छा-खासा बसा-बसाया गांव हुआ करता था। हिंदू, मुस्लिम और कैथलिक समुदाय की समृद्ध आबादी यहां निवास करती थी। सन 1960 में जब साउथ गोवा को ज्यादा मात्रा में पानी मुहैया करवाने के लिए सलौलिम डैम बनाने का प्रस्ताव आया तो सबसे पहले कुर्डी गांव को खाली करवाया गया। ये पूरा गांव पानी के अंदर समा गया ताकि डैम का पानी सुचारू रूप से बह सके। मई महीने में जब पानी का स्तर कम होता है तब गांव का कुछ हिस्सा पानी के बाहर दिखाई देता है। वे लोग, जो अपना घर बार छोड़कर दूसरी जगह बस गए वो मई महीने में यहां आकर अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हैं। हर साल तीनों समुदाय के लोग यहां आकर अपने-अपने धार्मिक जगहों की स्मृति में उत्सव मानते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक भी यहां जुटते हैं।

रिवोना केव

साउथ गोवा में स्थित रिवोना केव यानी रिवोना गुफाओं को उस दौर का ऐतिहासिक स्थल माना जाता है, जब गोवा में मानव समुदाय की बस्ती बसनी शुरू ही हुई थी। माना जाता है कि इस जगह पर उस समय के बुद्धिमान लोग ही आकर बसते थे। मान्यता है कि यहां बौद्ध धर्म के अनुयायी भी रहा करते थे। 7वीं शताब्दी की इन गुफाओं को देखने के लिए यहां देश-विदेश से काफी पर्यटक आते हैं। *

इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी करते हैं बदलते मौसम की तैयारी

हम इंसान तो तकनीकों के जरिए मौसम में आने वाले बदलावों का पता लगाकर उसके हिसाब से अपनी तैयारी करते हैं। लेकिन प्रकृति ने कई पशु-पक्षियों को ऐसी क्षमता नैसर्गिक रूप से प्रदान की है। ऐसे ही कुछ जंतुओं के बारे में जानिए।

रोचक / अपराजिता

पशु-पक्षी भले इंसानों की तरह तेज दिमाग के न होते हों, लेकिन इंसानों की ही तरह आने वाले मौसम की दुश्वारियों से बचने के लिए अपने स्तर पर वे भी बाकायदा योजनाबद्ध ढंग से तैयारी करते हैं। जिस तरह मौसम बदलने से पहले इंसान गर्म कपड़ों, छत की मरम्मत या पंखे, कूलर आदि को दुरुस्त कर लेते हैं, उसी तरह धरती के दूसरे पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की चुनौतियों के लिए अपनी ही सूझबूझ और योजनाबद्धता से तैयारी करते हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि इंसानों के विपरीत ये पशु-पक्षी ऐसी तैयारियां बिना किताबें पढ़े, बिना मौसम विभाग की चेतावनी सुने ही करते हैं। क्योंकि इनके पास न रेडियो होता है, न प्रकृति की गतिविधियों की सूचना देने वाला इनके लिए कोई जरिया होता है। दरअसल, खुद कुदरत ने ही इन्हें अनुमान लगाने की अद्भुत क्षमता दी है, ये उसी के आधार पर अपने सहज ज्ञान और जैविक अनुभव प्रवृत्तियों के जरिए मौसम की बदलती करवटों के लिए महीनों पहले से ही तैयारी में जुट जाते हैं।

कोयल की कूक का संकेतः भारत के ग्रामीण परिवेश में बहुत सारी जानकारियों को अखबारों, रेडियो या किताबों से नहीं, पशु-पक्षी की गतिविधियां देखकर जानी, समझी जाती हैं। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुर स्वर आ गया है, तो इसका मतलब यह है कि वह बदलते तापमान के प्रभाव में अपने प्रजनन चक्र को समायोजित करने की कोशिश में है। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुरता है, तो पतझड़ निकट है, क्योंकि मार्च, अप्रैल में जब पेड़ों पर नई कोपलें फूटती हैं, उसी समय कोयल, कौवे के घोंसले में चुपके से अंडे दे देती है, इसे विषय के जानकार लोग 'ब्रूड पैरासिटिज्म' कहते हैं यानी जब तपती गर्मी आए, तो उसके बच्चे किसी अन्य पक्षी की देखभाल में सुरक्षित पलें। कहने का मतलब यह है कि कोयल खुद मौसम की कठिनाइयों को समझकर पहले से ही अपनी अगली पीढ़ी की सुरक्षा सुनिश्चित कर लेती है।

हाथी बताता है जल का स्रोतः हाथी एक ऐसा पशु है, जो भारत में मानसून और सूखे दोनों का बहुत सटीक तरीके से अंदाजा लगा लेता है। सूखा पड़ने से पहले वह झुंड बनाकर लंबी यात्राएं शुरू कर देता है और उस ओर बढ़ता है, जहां जलस्रोत होते हैं। राजस्थान और मध्य भारत के जंगलों में हाथियों का यह जलप्रवास, वर्षों पुराने जलस्रोतों की उनकी स्मृतियों पर आधारित होते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि वे भूमि की नमी, पौधों के मुरझाने और हवा की गंध से पानी की कमी का किसी भी वैज्ञानिक डिवाइस से ज्यादा सटीक अनुमान लगा लेते हैं।

अबाबील देती है मानसून का संदेशः इस छोटी-सी चिड़िया को भारत में मानसून की संदेशवाहक भी कहते हैं। दरअसल, अबाबील, हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका या दक्षिण भारत से उड़कर गर्म और आर्द्र इलाकों में आती है।

वैज्ञानिकों ने सालों निगरानी के बाद यह पाया है कि अबाबील पक्षी केवल भोजन की तलाश के लिए प्रवास नहीं करती। इसके इस प्रवासन चक्र में मौसम जनित सुरक्षा की भी योजना छिपी होती है। जब उत्तर भारत में सर्दी बढ़ती है और कीट-पतंगे बेहद कम हो जाते हैं, तब यह अबाबील दक्षिण भारत की ओर उड़ जाती है और जैसे ही गर्मियां लौटती हैं, यह भी अपने पुराने घर की ओर लौट आती हैं। ग्रामीण भारत में लोग अबाबील देखकर अनुमान लगाते हैं कि अब बारिश बस आने ही वाली है। वास्तव में यह पक्षी वातावरण के दबाव और आर्द्रता के सूक्ष्म बदलाव को बहुत बारीकी से महसूस कर लेती है।

इस तरह देखें तो इंसान ही नहीं, पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की दुश्वारियों से खुद को बचाने के लिए अपने ज्ञान, पूर्वानुमान और कठोर अनुशासन का इस्तेमाल करते हैं। *

जल संचित कर लेते हैं ऊंट

ऊंट को रेगिस्तान का जहाज माना जाता है, क्योंकि वह रेगिस्तान में दूसरे किसी भी वाहन से ज्यादा बेहतर और सहजता से रह लेता है। लेकिन ऊंट सिर्फ रेगिस्तान के बारे में ही इतनी सटीकता से नहीं जानता बल्कि वह रेगिस्तान के सबसे कठोर मौसम में जीवित रहने की कला भी भलीभांति जानता है। यही वजह है कि जब राजस्थान में गर्मी अपने चरम पर होती है, तो वह न केवल अपने शरीर में पानी की खपत को नियंत्रित कर लेता है बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से उसका शरीर पानी को पुनःअवशोषित करने की क्षमता भी रखता है। इसी के चलते वह कई दिनों तक बिना पानी पीए भी रह लेता है, लेकिन यही ऊंट मानसूनी संकेत मिलने पर जरूरत से कई गुना ज्यादा पानी पीता है। अपने शरीर में एक वाटर रिजर्व भी बना लेता है। वास्तव में यह उसकी छठी इंद्री का मौसम प्रबंधन है, जो रेगिस्तान की कठोर परिस्थितियों में उसके जीवन को संभव बनाता है।

अवेयरनेस
शिखर चंद जैन

घर में सुविधायुक्त टॉयलेट, हमारे व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण एवं गरिमापूर्ण जीवन के लिए भी बहुत जरूरी है। वर्ल्ड टॉयलेट-डे, 19 नवंबर पर बता रहे हैं इससे जुड़ी कुछ रोचक बातें।

सभी के लिए है जरूरी स्वच्छ-सुविधायुक्त टॉयलेट

हर साल 19 नवंबर को वर्ल्ड टॉयलेट डे यानी विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। आप सोच रहे होंगे कि भला शौचालय के लिए भी कोई दिन मनाने की क्या जरूरत है! आपको बता दें कि भले ही आपके घर में सुविधायुक्त शौचालय है, लेकिन दुनिया में आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनके पास सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय नहीं हैं। विश्व शौचालय संगठन द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, विश्व में लगभग एक अरब लोग आज भी खुले में शौच करते हैं। ऐसे में यह दिन हमें यह याद दिलाने के लिए मनाया जाता है कि शौचालय हमारे स्वास्थ्य, सम्मान और पर्यावरण के लिए कितना जरूरी है।

विश्व शौचालय दिवस का इतिहासः विश्व शौचालय दिवस की शुरुआत 2001 में हुई थी। स्वास्थ्य और जन सरोकार विशेषज्ञों की सलाह पर स्वच्छता के मुद्दों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए विश्व शौचालय संगठन की स्थापना की गई। वर्षों की अंतरराष्ट्रीय बहस और सिफारिश के बाद, संयुक्त राष्ट्र ने 2013 में आधिकारिक तौर पर विश्व शौचालय दिवस को वार्षिक आयोजन के रूप में घोषित किया। यह दिवस 2030 तक सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

बुनियादी जरूरत है शौचालयः इस वर्ष विश्व शौचालय दिवस की थीम 'बदलती दुनिया में स्वच्छता' और स्लोगन है 'हमें हमेशा शौचालय की आवश्यकता होगी'। इस साल की थीम और स्लोगन का मुख्य संदेश यह है कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, जितनी भी नई तकनीकें आ जाएं, हम चाहे कितने ही एडवांस हो जाएं, शौचालय की जरूरत कभी खत्म नहीं होगी। यह कोई लग्जरी नहीं बल्कि एक बुनियादी जरूरत है। हर घर में शौचालय होना तो आवश्यक है ही। साथ ही यह भी जरूरी है कि हम शौचालय का इस्तेमाल करते समय और उसके बाद कुछ बातों का ध्यान रखें।

फ्लश करते समय रखें ध्यानः टॉयलेट में फ्लश हमेशा ढक्कन लगाकर करें क्योंकि टॉयलेट फ्लश आपके टॉयलेट से छह फीट की ऊंचाई तक कीटाणुओं को बाहर निकाल सकता है। हर बार जब आप टॉयलेट फ्लश करते हैं, तो कीटाणु हवा में उड़ जाते हैं और आपके बाथरूम में घूमकर आपके टॉयलेट के आस-पास की जगहों और वस्तुओं जैसे-टूथब्रश, साबुन आदि पर भी पहुंच सकते हैं। अगर आपके टॉयलेट सीट में ढक्कन नहीं है, तो टॉयलेट फ्लश करने के बाद तुरंत बाहर निकल जाएं।

हाथ अच्छे से धोएंः टॉयलेट यूज करने के बाद बहुत अच्छी तरह से हाथ धोना जरूरी है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि लगभग 20 प्रतिशत लोग शौचालय जाने के बाद अपने हाथ नहीं धोते। जो लोग धोते भी हैं, उनमें से केवल 30 प्रतिशत ही साबुन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि बाथरूम के कीटाणुओं को मारने के लिए साबुन से लगभग 15 से 20 सेकेंड तक अच्छी तरह हाथ धोने की सलाह दी जाती है। निराशाजनक बात यह है कि केवल 5 प्रतिशत लोग ही 15 सेकेंड या उससे ज्यादा समय तक हाथ धोते हैं।

टॉयलेट पेपर का हो सीमित इस्तेमालः टॉयलेट पेपर का आवश्यकतानुसार सीमित उपयोग करने की आदत डालनी चाहिए। इसे एक्स्ट्रा वेस्ट करने से बचना चाहिए। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि अमेरिकी प्रति वर्ष 433 मिलियन मील टॉयलेट पेपर का उपयोग करते हैं, जो पृथ्वी से सूर्य तक जाने और वापस आने की सम्मिलित दूरी के बराबर है।

शौचालय में स्मार्टफोन है खतरनाकः लगभग 75 प्रतिशत स्मार्टफोन धारक शौचालय में अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें टेक्स्ट मैसेज भेजना, फोन कॉल करना, वेब सर्फिंग और ऑनलाइन शापिंग शामिल है। यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक आदत तो है ही, अगर फोन टॉयलेट में गिर जाए तो यह जेब पर भी भारी पड़ सकता है। मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले लोग अधिक देर तक शौचालय में बैठे रहते हैं, क्योंकि उनका ध्यान फोन पर रहता है। शौचालय की सीट पर लंबे समय तक बैठने से पाइल्स हो सकता है।

पब्लिक टॉयलेट के इस्तेमाल में बरतें सावधानीः व्यापक सर्वे और अध्ययन के बेस पर विशेषज्ञों का मानना है कि अगर आप किसी सार्वजनिक शौचालय में सबसे साफ शौचालय का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पंक्ति में सबसे पहले वाले शौचालय कक्ष (जो दरवाजे या सिंक के सबसे पास हो) का ही इस्तेमाल करें। यह आमतौर पर सबसे कम यूज किया जाता है और इसलिए तुलनात्मक रूप से अधिक साफ होता है।

सबसे गंदा स्थान नहीं है टॉयलेटः आपको यह जानकार हैरानी होगी कि औसत रसोईघर के चॉपिंग बोर्ड पर शौचालय की सीट की तुलना में लगभग 200 प्रतिशत अधिक बैक्टीरिया होते हैं। इससे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि स्मार्टफोन में टॉयलेट हैंडल की तुलना में लगभग 20 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। एक औसत डेस्क पर एक औसत शौचालय सीट की तुलना में 400 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। *

सबसे महंगा टॉयलेट

अमेरिकन स्पेस एजेंसी नासा ने हाल ही में स्पेस शटल के लिए एक सक्शन टॉयलेट डिजाइन करने पर 23.4 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं, जो 850 लीटर वायु प्रवाह प्रति मिनट की सक्शन तकनीक के साथ शून्य गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देगा। यह दुनिया का अब तक को सबसे महंगा टॉयलेट है।

सिने ट्रेंड
कैलाश सिंह

शादी, बॉलीवुड फिल्मों का एक सदाबहार विषय रहा है। शादी पर केंद्रित एवं इसके इर्द-गिर्द फिल्में और गाने बॉलीवुड में बनते रहे हैं। इनमें से कई फिल्में और गाने सुपर-डुपर हिट रहे। इन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। विवाह-केंद्रित ऐसी ही कुछ बेहतरीन फिल्मों और गानों पर एक नजर...

हिंदी फिल्मों में खूब दिखी है शादी-ब्याह की बहुरंगी छटा

'हम आपके हैं कौन' में सलमान-माधुरी दीक्षित

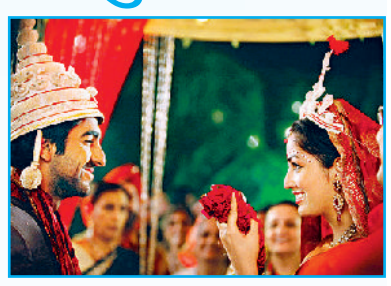
'विकी डोनर' में आयुष्मान के साथ यामी गौतम

भारतीय समाज में कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर वर्ग और समाज में शादी समारोह का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। शायद यही वजह है कि बॉलीवुड की कई फिल्मों की कहानियों के केंद्र में भी शादी समारोह को रखा गया है। चाहे वह परंपरागत अरेंज मैरिज हो, लव मैरिज हो, भागकर की गई शादी हो, अमीर-गरीब के बीच शादी हो, अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक विवाह हो या दो अलग-अलग संस्कृति या भाषा से संबंधित लोगों की शादी हो।

वेडिंग एलबम जैसी 'हम आपके हैं कौन': साल 1994 में रिलीज फिल्म 'हम आपके हैं कौन' वेडिंग फंक्शन पर केंद्रित एक बेहतरीन फिल्म है। फिल्म के केंद्र में यूं तो प्रेम (सलमान खान) और निशा (माधुरी दीक्षित) की लव स्टोरी, अपने परिवार के लिए त्याग की भावना है। लेकिन यह वास्तव में अभिभावकों द्वारा तय किए गए परंपरागत हिंदू विवाह का प्रभावी ढंग से तैयार किए गए शादी के वीडियो एलबम की तरह है। फिल्म में दो दोस्त जब बहुत दिनों बाद मिलते हैं, तो आपस में अपने बच्चों की शादी कराने का निश्चय करते हैं और फिर एक परंपरागत विवाह का सिलसिला आरंभ हो जाता है। लड़के और लड़की की मुलाकात घर से बाहर अलग स्थान पर कराई जाती है। वे एक-दूसरे को पसंद कर लेते हैं। फिर उनकी सगाई होती है और बाद में लड़के वाले बारात लेकर कन्या पक्ष के घर पहुंचते हैं। फिल्म में जूते चुराने के रस्म से लेकर शादी से संबंधित अनेक रस्मो-रिवाज को खूबसूरती से दिखाया गया है। जूते चुराने की रस्म पर केंद्रित गाना 'जूते दे दो पैसे ले लो' फिल्माया गया है। इसके अलावा भी फिल्म में कई सिचुएशंस पर बेहतरीन गीत पिरोए गए हैं।

'मेरे महबूब' में राजेंद्र कुमार-साधना

परंपरागत विवाह पर बनी फिल्मेंः देखा जाए तो उत्तर भारत में परंपरागत हिंदू विवाह और परंपरागत मुस्लिम शादी में कोई विशेष अंतर नहीं है। यहां शादी में फेरों की जगह काजी को बुलाकर निकाह पढ़वाया जाता है। मां-बाप द्वारा रिश्ता तय करना, सगाई, बारात, जूते चुराई, विदाई जैसी कई रस्में हिंदू और मुस्लिम समाज की शादियों में समान रूप से देखी जा सकती हैं। 'बहू बेगम', 'मेरे हुजूर', 'मेरे महबूब' आदि फिल्मों में शादी की इन रस्मों को बखूबी प्रस्तुत किया गया है। बी.आर. चोपड़ा ने तो अपनी फिल्म 'निकाह' में शादी के साथ-साथ तीन तलाक जैसे संवेदनशील मुद्दे को भी उठाया है।

पंजाबी-एनआरआई परिवार की 'मानसून वेडिंग': मीरा नायर की 2001 में आई फिल्म 'मानसून वेडिंग', दिल्ली के एक पंजाबी परिवार में शादी के आयोजन और इस दौरान होने वाले उथल-पुथल पर केंद्रित है। फिल्म में ललित वर्मा और उनकी पत्नी पिम्मी अपनी बेटी अदिति की शादी एक एनआरआई हेमंत राय से तय करते हैं। जैसा कि भारतीय समाज में अकसर होता है, इस प्रकार के विवाह में एक बार पूरा विस्तृत परिवार दुनिया भर से आकर एक जगह एकत्र हो जाता है और अपने साथ अपना भावनात्मक अतीत भी लेकर आता है। शादी की तैयारियों के बीच पारिवारिक चुगलियां, राजनीति, साजिशें, हंसी-मजाक, मौज-मस्ती आदि सब कुछ चल रहा होता है और नए प्रेम समीकरण भी विकसित होते हैं। फिल्म को इतनी खूबसूरती से बुना गया है कि 'मानसून वेडिंग' हर किसी को अपने ही परिवार की शादी जैसी लगने लगती है।

इंटरकल्चरल मैरिज पर आधारित 'विक्की डोनर': सुजीत सरकार की 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'विक्की डोनर' में दो अलग-अलग संस्कृतियों से ताल्लुक रखने वाले जोड़े के विवाह को दिखाया गया है। फिल्म में विक्रम उर्फ विक्की (आयुष्मान खुराना) का ताल्लुक पंजाबी अरोड़ा परिवार से होता है, जबकि अशिमा रॉय (यामी गौतम) बंगाली होती है। संतानहीन परिवारों को मोटी रकम के बदले में अपना स्पर्म डोनेट करने वाला विक्की और तलाकशुदा बैंक कर्मचारी अशिमा एक-दूसरे से शादी करना चाहते हैं, लेकिन सांस्कृतिक भिन्नता के कारण दोनों को ही अपने-अपने परिवारों से विरोध का सामना करना पड़ता है। आखिरकार सब कुछ ठीक हो जाता है।

इनमें भी दिखे शादी के अलग-अलग रंगः 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म में गुजराती शादियों को उनके पारंपरिक रूप में दिखाया गया है। 'हम साथ साथ हैं' में शादी और पारिवारिक रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया गया है। आजकल की कई फिल्मों में विवाह को प्रेम, करियर और पहचान के संघर्षों की पृष्ठभूमि में दिखाया गया है, जैसे 'वीरे दी वेडिंग' फिल्म में। 'बैंड बाजा बारात' जैसी फिल्में शादी की योजना और आयोजन को नाटकीय अंदाज में प्रदर्शित करती हैं, जिनमें वेन्यू प्रबंधक, दूल्हा-दुल्हन के परिवार के साथ मिलकर तैयारी करते हैं। *

पॉपुलर हुए विदाई के ये गीत

शादी के बाद दुल्हन की विदाई का वक्त कुछ ऐसा होता है, जब मिलन और जुदाई, खुशी और आंसू एक साथ एक ही समय व्यक्त हो रहे होते हैं। हिंदी फिल्मों में विदाई के सिचुएशन पर अनेक गीत बने हैं, जो काफी लोकप्रिय हुए। 'छोड़ बाबुल का घर, मोहे पी के नगर आज जाना पड़ा' (बाबुल), 'खुशी-खुशी कर दो विदा, तुम्हारी बेटी राज करेगी' (अनोखी रात), 'बाबुल की दुआएं लेती जा' (नील कमल) आदि कई ऐसे सदाबहार विदाई के गीत हैं, जो आज भी हिंदी पट्टी की शादियों में विदाई के समय खासतौर से बजाए जाते हैं।